PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 09 ● भिलाई, गुरुवार 23 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली जंतर मंतर लाठीचार्ज पर वकीलों का प्रदर्शन

प्रयागराज। दिल्ली के जंतर मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का विरोध में जिला कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन किया। इस दौरान वकीलों ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफनारेबाजी करते हुए घटना की निंदा की और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने कचहरी के बाहर सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया। इस कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ और आसपास भीड़ जमा हो गई। प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं ने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने के लिए बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। अधिवक्ताओं ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों पर विचार करने के बजाय उन पर बल प्रयोग करना स्वाभाविक रूप से विरोध को जन्म देगा। उन्होंने केंद्र सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और छात्रों के साथ हुई कार्रवाई पर जवाब देने की मांग की। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने अधिवक्ताओं से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद वकीलों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सड़क से जले टायर हटवाकर यातायात सामान्य कराया।

रेलवे के सेवानिवृत्त अफसर से कम्पनी ने की 40 लाख की ठगी

प्रयागराज। रेलवे के रिटायर प्रिंसिपल चीफइंजीनियर से 40 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। मुंबई की एक फाइनेंस कंपनी ने 40 लाख रुपये एफडी में निवेश कराए और बाद में रुपये लौटाने से इंकार कर दिया। रिटायर अफसर की शिकायत पर सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जगदीश चंद्र चौरसिया ने पुलिस को बताया, उन्होंने नवी मुंबई स्थित अप ओनली टेक्नोलॉजीज में नवंबर 2022 से जनवरी 2023 के बीच तीन किश्तों में कुल 40 लाख रुपये जमा किए थे। कंपनी ने उन्हें प्रीमियम ग्राहक बताते हुए 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भरोसा दिया था।

संसद में ब्लैक प्रोटेस्ट! लोकसभा की कार्यवाही स्थगित

अडानी की मांगे पूरी हो सकती है...तो छात्रों की क्यों नहीं

नई दिल्ली/ एजेंसी

मानसून सत्र में आज काले कपड़े पहनकर विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने बताया कि सभी विपक्षी सांसद आज काले कपड़े पहने हुए हैं। यह विरोध प्रदर्शन कई बातों को लेकर है। देश की राजधानी दिल्ली में छात्रों के साथ जो किया गया, उसके खिलाफ, धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद पर बने रहने की जिद के खिलाफ और छात्रों के असंतोष पर सरकार के रवैये के खिलाफहै। मानसून सत्र में लोकसभा की कार्यवाही के शुरुआती दौर में ही कांग्रेस सांसद धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अड़ गए। संसद में कुछ देर तक जोरदार हंगामा जारी रहा, जिसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी और बाद में राज्यसभा की कार्यवाही बी 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। कांग्रेस के प्रदर्शन में सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी काले कपड़ों में नजर आई। उन्होंने कहा,हमारे साथ जो हुआ, वह अहम नहीं है। आप मुझे बताएं कि छात्रों के साथ जो हुआ, वह सही है या गलत? छात्रों की मांगें जायज हैं और वे अपने हक की बात कर रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, शिक्षा का बजट 1.4 लाख करोड़ रुपये है, लेकिन आप अडानी और अंबानी के 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफकर रहे हैं। छात्रों का संघर्ष जायज है और वे बदलाव चाहते हैं। बार-बार पेपर लीक हो रहे हैं। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में कुछ भी अलोकतांत्रिक नहीं है, लेकिन छात्रों और संसद में जो हो

रहा है, वह अलोकतांत्रिक है। मानसून सत्र में सभी पूर्व से लेकर पश्चिम तक के राज्यों के कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे। इस दौरान सभी ने सीजेपी के प्रदर्शन पर हुए लाठीचार्ज पर सवाल उठाए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के ट्वीट पर कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, शिक्षा मंत्री के तौर पर बने रहने की उनकी कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती। अब उनकी बात कौन सुनेगा? उनकी नैतिक जिम्मेदारी कहां है? 1.8 अरब लोग उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, और उन्हें इस देश के बच्चों को बचाने के लिए इस्तीफा देना होगा। कल कांग्रेस नेताओं पर पुलिस की कार्रवाई के विरोध में काले कपड़े पहने पार्टी सांसद के सुरेश ने कहा, आज हम सबने ये काले कपड़े पहने हैं क्योंकि हम आज मकर द्वार के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं, इस बात को लेकर कि कल पुलिस ने स्पीकर और दूसरे सांसदों के साथ कितनी बेरहमी से बर्ताव किया। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, राहुल गांधी को गिरफ्तार करने के लिए जिस तरह से बल का इस्तेमाल किया गया, उसे देखकर हर कोई कांप उठेगा। उनमें पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का डीएनए है, जबकि बीजेपी में अंग्रेजों का डीएनए है। कांग्रेस आखिर तक लड़ेगी।

10 साल में 152 पेपर लीक, शिक्षा बजट से ज्यादा नीट पर खर्च करते है गार्जियन

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नई दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफलाठीचार्ज पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं. सरकार से नीट पेपर लीक पर सवाल कर रहे है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबसे पहले राहुल गांधी 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि 10 साल में 152 पेपर लीक देश में लीक हुए हैं. पर सजा इसमें से अभी तक किसी को नहीं मिली है. नीट पेपर लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं. राहुल गांधी ने कहा कि देश के कई छात्र अत्यधिक मानसिक दबाव का सामना कर रहे हैं. इस दौरान उन्होंने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा भी उठाया. सबसे पहले उन्होंने ने एक वीडियो चलाया, जिसमें पुलिस छात्रों पर लाठी चार्ज कर रही थी.

ट्रंप ने भारत पर टैरिफ बम फोड़ा

जेनेरिक दवा पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ बम फोड़ा है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी जेनेरिक दवाओं पर आक्रामक टैरिफ नीति का ऐलान किया है। इस योजना के तहत शुरुआती दो वर्षों तक कोई टैरिफनहीं लगाया जाएगा। इसके बाद जेनेरिक दवा पर 100 फीसदी और फिर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप के इस फैसले से 'दुनिया की फार्मेसी' कहे जाने वाले भारत पर भयंकर प्रभाव पड़ेगा। भारत बड़े पैमाने पर अमेरिका को जेनेरिक दवा एक्सपोर्ट करता है। ट्रंप के इस ऐलान के बाद

भारत को भयंकर नुकसान हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पोस्ट में कहा कि टैरिफका यह प्लान कई चरणों में लागू होगा। ट्रंप के मुताबिक इस कदम का मकसद अमेरिका में फार्मास्युटिकल दवाओं का प्रोडक्शन बढ़ाना है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि टैरिफ का यह प्लान कई चरणों में लागू होगा और इसकी शुरुआत 1 अगस्त से होगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा-1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर 2 साल तक टैरिफ जीरो रहेगा। इसके बाद एक साल के लिए टैरिफ बढ़ाकर 100 प्रतिशत और फिर उसके बाद 200 प्रतिशत कर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ऐसा जेनेरिक दवाइयों के प्रोडक्शन को वापस अमेरिका में लाने के लिए किया जा रहा है। जो कंपनियां तय समय-सीमा के अंदर प्लांट और इक्विपमेंट नहीं बनाएंगी, उन पर जुर्माना लगाया जाएगा।

कोलकाता में फिर डराने लगा कोरोना,अस्पताल में भर्ती हुए 4 मरीज

कोलकाता। कोविड-19 से संक्रमित तीन मरीजों को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले, कोविड से संक्रमित 10 साल के एक लड़के को भर्ती कराना पड़ा था। कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक चार लोगों का इलाज जारी है। अस्पताल के डॉ. सुभजीत सेन ने कहा, अभी हम मौसमी वायरल इन्फेक्शन खासकर इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। फिलहाल, हम एसएआरएस-सीओवी-2 इन्फेक्शन वाले तीन मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एक मरीज ठीक हो गया है और उसे डिस्चार्ज किया जा रहा है, जबकि दो मरीजों को ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़े छात्र

सीजेपी की दो टूक-सरकार जंतर मंतर आए तभी होगी बात-दीपके

नई दिल्ली/ एजेंसी

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े छात्रों का आंदोलन अब एक अहम मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। इस आंदोलन को लीड कर रही कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार के साथ बातचीत को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। पिछले दो महीने से जंतर-मंतर पर चल रहे इस व्यंग्यात्मक राजनीतिक आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दो टूक कह दिया है कि अगर सरकार को बात करना है, तो पहल उसे ही करनी होगी। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान

हुए हंगामे के दो दिन बाद दीपके का ये बयान सामने आया है, जिसमें हजारों छात्रों ने हिस्सा लिया था। सीजेपी नेता अभिजीत दिपके ने बातचीत को लेकर कहा कि अगर सरकार बात करना चाहती है, तो उसे यहां यानी जंतर-मंतर आना होगा। उनको हमारी शर्तें माननी होंगी। दीपके ने आगे कहा कि सरकार को अपना अहंकार छोड़ना चाहिए। सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने भी साफकिया कि वो सरकार के पास नहीं जाएंगे। आशुतोष ने साफकहा कि सरकार के साथ बातचीत किसी 'न्यूट्रल वेन्यू' पर या फिर जंतर-मंतर पर ही की जा सकती है। हम शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की अपनी मांग से पीछे नहीं हटने वाले हैं। वहीं कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने सरकार के साथ बात को लेकर कहा है कि जे.पी. नड्डा ने हमें आज एक बार फिर बातचीत के लिए बुलाया।

लोकसभा में गरजे सपा चीफ

बेटियों के कपड़े फाड़ेंगे क्या-अखिलेश यादव...

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है। तीसरा दिन भी विपक्ष के भारी हंगामे की भेंट चढ़ गया। कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में पुलिस के लाठी चार्ज और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते की विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके कारण 1 मिनट के अंदर सभापति ओम बिरला ने कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी। 11 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुआ लेकिन हंगामे के कारण 10 मिनट के अंदर फिर से 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ा है। इस्तीफे के बाद भी नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग कर रहा है। जबकि सत्ता पक्ष पेपर लीच पर चर्चा के लिए तैयार है। हालांकि तुरंत धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के खिलाफहै।

कॉकरोच जनता पार्टी ने विजेता दहिया को प्रवक्ता पद से हटाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को पद से हटा दिया है। यह फैसला ऐसे वीडियो के सामने आने के बाद लिया गया, जिन्हें पार्टी ने असंवेदनशील आचरण बताया है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा कथित बल प्रयोग के दौरान विजेता दहिया के कुछ वीडियो सामने आए, जिनमें उनका व्यवहार पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों के अनुरूप नहीं पाया गया। बयान में कहा गया, हम अपने प्रवक्ता विजेता दहिया की अत्यंत असंवेदनशील हरकतों की कड़ी निंदा करते हैं।

फर्जी कंपनी का डायरेक्टर बनाकर युवक को फंसाने का आरोप

ईडी रेड के बाद करोड़ों के विदेशी ट्रांजेक्शन का खेल बेनकाब आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज....

रायपुर. राजधानी रायपुर में फर्जी कंपनी के जरिए करोड़ों रुपये विदेश भेजने के कथित खेल का मामला सामने आया है. विधानसभा थाना पुलिस ने युवक की शिकायत पर उसके मौसेरे भाई और अन्य आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया है. आरोप है कि युवक को नौकरी का झांसा देकर कंपनी का डायरेक्टर बनाया गया और उसके नाम व फर्जी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर कंपनी के बैंक खातों से करोड़ों रुपये विदेश भेजे गए. मेट्रोग्रीन सोसायटी सड्डू निवासी संदीप सेठ ने शिकायत दर्ज कराई है कि वर्ष 2023 में बेरोजगार होने के दौरान उसके मौसेरे भाई रितेश गुप्ता और एक अन्य व्यक्ति ने उसे ठाणे (मुंबई) स्थित कांसलीवाल बिजनेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में 50 हजार रुपये

प्रतिमाह वेतन पर डायरेक्टर की नौकरी दिलाई. कंपनी के कामकाज की पूरी जानकारी कभी नहीं दी गई और अधिकांश दस्तावेज घर भेजकर हस्ताक्षर कराए जाते थे. शिकायत में बताया गया कि बाद में आरोपी रितेश गुप्ता ने कई दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर भी किए. इसके बाद उसे मुंबई ले जाकर एसबीएम बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और आरबीएल बैंक में कंपनी के खाते खुलवाए गए. इन खातों में उसे अधिकृत लेनदेनकर्ता तो बनाया गया, लेकिन उसकी जानकारी के बिना किसी अन्य मोबाइल नंबर को बैंक खातों से लिंक कर दिया गया, जिससे उसे खातों में होने वाले लेनदेन की जानकारी नहीं मिल सकी. एफआईआर के मुताबिक, 22 अप्रैल 2025 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकायतकर्ता के रायपुर स्थित घर पर छापा मारा. पूछताछ के दौरान उसे पहली बार पता चला कि जिस कंपनी में वह डायरेक्टर था, उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपये विदेश भेजे गए हैं. शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसके नाम और पहचान का दुरुपयोग कर उसे पूरे मामले में फंसाने की साजिश रची गई. शिकायत के आधार पर विधानसभा थाना पुलिस ने आरोपी रितेश गुप्ता और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 120-बी और 34 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला

तृतीय श्रेणी पदों की भर्ती में अग्निवीरों को 10प्रतिशत आरक्षण खाद की सुचारू आपूर्ति के लिए बनेगी मंत्री-मंडलीय उप समिति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद् की बैठक में राज्य की तृतीय श्रेणी पदों की सीधी भर्ती में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लिया गया। इसके अलावा किसानों को खरीफ एवं रबी मौसम में उर्वरकों की समयबद्ध एवं सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने मंत्री-मंडलीय उप समिति के गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है। इस उप समिति में उप मुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग को अध्यक्ष तथा कैबिनेट मंत्री, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग, कैबिनेट मंत्री, सहकारिता विभाग एवं कैबिनेट मंत्री, वित्त विभाग को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त उप समिति के संयोजक होंगे। उप समिति आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों के अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर सकेगी तथा उर्वरकों की उपलब्धता एवं आपूर्ति से संबंधित विषयों पर राज्य शासन को सुझाव देगी। मंत्रिपरिषद् की बैठक में अग्निवीर सैनिकों के पुनर्वास एवं सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

मंत्रिपरिषद् ने राज्य की तृतीय श्रेणी के पदों ड्ढ पुलिस विभाग में आरक्षक, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वनरक्षक तथा जेल विभाग में प्रहरी की सीधी भर्ती में अग्निवीर सैनिकों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने छत्तीसगढ़ के अग्निवीर सैनिकों के लिए राज्य की सिविल सेवाओं में तृतीय श्रेणी के पदों में रिक्तियों का आरक्षण नियम-2026 बनाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। यह निर्णय मुख्यमंत्री द्वारा 26 जुलाई 2024 को विधानसभा में की गई घोषणा के अनुपालन में लिया गया है। इस आरक्षण का लाभ उन अग्निवीर सैनिकों को मिलेगा, जिन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों में चार वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद वैध सेवा प्रमाण-पत्र के साथ सेवामुक्ति प्राप्त की हो। इस निर्णय से अग्निवीर सैनिकों को राज्य की सेवाओं में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे तथा उनके अनुभव और अनुशासन का लाभ पुलिस, वन एवं जेल प्रशासन को मिलेगा।

अनशन खत्म करने की अपील की

सोनम वांगचुक मेदांता अस्पताल में हुए भर्ती

नई दिल्ली। नीट पेपक लीक के मामले को लेकर छात्रों के समर्थन में पिछले 25 दिनों से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक से कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ़ अभिजीत दिपके ने करते हुए कहा कि वो आज अपना अनशन खत्म कर दें। दिपके आगे कहा की हम छात्रों के हित में चलाए जा रहें आंदोलन को खत्म नहीं करेंगे। यह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान आगे कहा की सोन सर के अनशन का आज 25वां दिन है।

25 दिन से खाना ना खाने के वजह से उनके जिवन को बहुत बड़ा खतरा है। सीजेपी चीफ़ अभीजीत दिपके ने कहा कि हमारा शान्तिपूर्ण प्रदर्शन इसी से आगे बढ़ेगा हमारे जितने भी सपोर्टर्स हैं उनसे मेरा निवेदन है कि आप सब लोग इसी तरह अपना शांतिपूर्ण प्रदर्शन को जारी रखें।

गोंडी संस्कृति, शिक्षा, वैद्यकीय ज्ञान, भाषा, आर्थिक उद्यमिता, व्यापार पर महासभा का राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

धमतरी। अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 24 नया रायपुर छत्तीसगढ़ में संपन्न हुआ। कार्यशाला में मध्यप्रदेश, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड, उड़ीसा, बिहार, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के सामाजिक प्रमुखों के साथ पूरे देश भर के सामाजिक बुद्धिजीवी, विषय विशेषज्ञ ने समाज के रीति-नीति, संस्कृति, शिक्षा, वैद्यकीय ज्ञान, भाषा, आर्थिक उद्यमिता एवं व्यापार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामविचार नेताम मंत्री आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन, पशुधन विकास छत्तीसगढ़ शासन थे। अध्यक्षता शिशुपाल शोरी राष्ट्रीय अध्यक्ष सेनि आईएएस, पूर्व विधायक कांकेर के किया। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में फग्गन सिंह कुलस्ते सांसद मंडला, अध्यक्ष पार्लियामेंट्री कमेटी अनुसूचित जाति जनजाति विभाग भारत सरकार, रवि नारायण नाइक प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय गोंडवाना गोंडवाना गोंड महासभा ओडिसा, कैबिनेट मंत्री ग्रामीण विकास पंचायती राज और पेयजल ओडिसा सरकार, देवेंद्र प्रताप सिंह राज्यसभा सांसद छत्तीसगढ़ थे। विशिष्ट अतिथिगण लता उसेन्डी विधायक, कमल मर्सकोले विधायक बरघाट मध्यप्रदेश, नीलकंठ टेकाम विधायक, भूलन सिंह मरावी विधायक, प्रणव मरपच्ची विधायक गौरेला पेंड्रा मरवाही, रूपसिंह मंडावी अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग छत्तीसगढ़, विकास मरकाम अध्यक्ष स्थानीय पादप बोर्ड छत्तीसगढ़, भगत सिंह नेताम, पूर्व विधायक एवं सदस्य, मप्र अजजा आयोग, तिरु.सोयम बापू राव पूर्व सांसद प्रदेश अध्यक्ष गोंड समाज तेलंगाना, तिरु-लक्ष्मी राजाराव पूर्व विधायक आंध्रप्रदेश, तिरु.चंदा लिंगैया डोरा पूर्व विधायक पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष, राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति तेलंगाना, कमलभान सिंह पूर्व सांसद, अनूप नाग पूर्व विधायक अन्तागढ़, रमेश चंद्र साय पूर्व विधायक उड़ीसा, गुरुचरण नायक पूर्व विधायक मनोहरपुर झारखंड, लक्ष्मी ध्रुव पूर्व विधायक सिहावा, राजाराम तोडेम पूर्व विधायक पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष मध्यप्रदेश, पहलवान सिंह मरावी पूर्व विधायक मरवाही उपस्थित थे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उभरते हुए कलाकार निर्माता, निर्देशक, हीरो अमलेश नागेश का उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासभा के राष्ट्रीय सचिव आर एन ध्रुव ने किया। महासभा द्वारा उड़ीसा के शैक्षिक पाठ्यक्रम में गोंड समाज को मूर्ख लिखे जाने पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही दोषी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हेतु महामहिम राष्ट्रपति को पत्र लिखा जाएगा। आदिवासी समाज के उद्यमियों को 10 करोड़ तक के ऋण लेने पर गारंटी हेतु छूट प्रदान करने के लिए सरकार से मांग करेगी, जिससे आदिवासी उद्यमी व्यापार व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ सके। अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश में अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने की मांग सरकार से की जावेगी। गैर आदिवासियों में विवाह करने वाले समाज की युवतियों द्वारा अर्जित किए जाने वाले संपत्ति पर पिता का नाम अंकित करवाने हेतु महासभा ठोस पहल करेगी। महासभा प्रत्येक माह देश के किसी ने किसी प्रदेश में बैठक आहूत करेगी। सभी राज्यों में गौर समाज को अनुसूचित जनजाति में सम्मिलित किए जाने हेतु सरकार से मांग करेगी। आदिवासी क्षेत्र में लग रहे उद्योगों में विस्थापन की स्थिति में आदिवासी वर्ग को उद्योगों में भागीदारीघ् शेयर होल्डर बनाए जाने की मांग की जावेगी। पांच सत्र में कार्यक्रम को विभाजित किया गया था। प्रथम सत्र में जनजातीय कला और शिल्प, आर्थिक उद्यमिता एवं व्यापार विषयों पर चर्चा हुई। प्रमुख वक्ता के रूप में प्रोफेसर श्रीकांत गोंड पश्चिम बंगाल, डॉ नारवेन केशव टेकाम छत्तीसगढ़, प्रो के एम मैत्री कर्नाटक ने भाग लिया। द्वितीय में गोंडवाना का इतिहास, भाषा, शिक्षा, संस्कृति, पारंपरिक रीति-रिवाज, साहित्य सृजन पर विस्तृत चर्चा हुई इस सत्र में तिरु.हिरासन उइके राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रभाग बालाघाट मध्यप्रदेश, सांस्कृतिक सचिव रघुवीर सिंह मार्को प्रमुख वक्ता के रूप में तिरु.बी एल कोर्राम राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल गोंडी साहित्य परिषद भारत, तिरु.के पी शाह पूर्व न्यायाधीश कोलकाता पश्चिम बंगाल, तिरु.बजरंग मांझी उड़ीसा ने हिस्सा लिया। तृतीय सत्र पेसा कानून, फॉरेस्ट राइट एक्ट, जनजाति समाज के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन पर चर्चा हुई इस सत्र में तिरु-रूपसिंह मंडावी अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग छत्तीसगढ़ द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव महासभा को दिए। विकास मरकाम स्थानीय पादप बोर्ड द्वारा परंपरागत आयुर्वेद ज्ञान पर आधारित महत्वपूर्ण जानकारियां दिए। दोपहर भोजन अवकाश के दौरान महासभा गठन से लेकर अब तक के गतिविधियों का डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाया गया। चौथे सत्र में सरकार की जनमन योजना एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना पर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विधायक केशकाल तिरु-नीलकंठ टेकाम ने समाज को विस्तृत जानकारी दी। पंचम सत्र में गोंडवाना गोंड महासभा के संगठनात्मक ढांचे को मजबूती प्रदान करने एवं संगठन के विस्तार पर चर्चा, संगठन के निष्क्रिय सदस्यों के स्थान पर नए सदस्यों का मनोनयन किए जाने का प्रस्ताव पारित हुआ। अतिथियों एवं सामाजिक प्रमुखों को स्मृति चिन्ह भेंट, सामाजिक प्रमुखों का सम्मान करने के पश्चात सत्र का समापन हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष खामसिंह मांझी ओड़िसा, राष्ट्रीय महासचिव लोकेंद्र सिंह कोमर्रा, सोनऊ राम नेताम छग, दिवाकर पेंदाम महाराष्ट्र, हेमंत धुर्वा उड़ीसा, कोषाध्यक्ष हिम्मत सिंह आर्मो, अशोक गोंड बिहार, तेलंगाना, राष्ट्रीय महासचिव महिला प्रभाग कांति नाग छत्तीसगढ़, वेदवती मंडावी, कमला नेताम, स्वर्ण वरकडे महाराष्ट्र, अमरेंद्र प्रताप गोंड उत्तरप्रदेश, चंदन मर्सकोले मध्यप्रदेश, प्रदेश गोंडवाना गोंड महासभा संरक्षक बी पी एस नेताम सेनि आईएएस, प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद ठाकुर, अंबिका प्रसाद शांडिल्य, बलदाऊ सिंह ध्रुव प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रांतीय कोषाध्यक्ष फूलसिंह नेताम, भुनेश्वर सिदार, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रभाग बसंता ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रभाग चेमसिंह मरकाम, प्रदेश महासचिव युवा प्रभाग मिथिलेश कुंजाम, मीडिया प्रभारी रोहित कुमार मरकाम, एम आर ठाकुर, कुंदन सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित थे।

हृदय जांच शिविर में 18 बच्चे ऑपरेशन के लिए चिन्हित

कवर्धा। जिला चिकित्सालय संबद्ध शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय, कबीरधाम में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत विशेष निःशुल्क ईको कार्डियोग्राफी जांच शिविर का आयोजन किया गया। रायपुर के सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 53 बच्चों की हृदय संबंधी जांच की गई। जांच के दौरान 18 बच्चों में गंभीर हृदय संबंधी समस्याएं पाई गईं, जिन्हें आगे विशेष उपचार एवं ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार चिन्हित बच्चों का उपचार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत शासन की निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा।

आवश्यकता पड़ने पर इन बच्चों को राज्य के अनुबंधित शासकीय एवं निजी अस्पतालों में भर्ती कर उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। गंभीर मामलों में राज्य के बाहर भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। शिविर का निरीक्षण कलेक्टर गोपाल वर्मा ने किया। उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं, जांच प्रक्रिया तथा चिन्हित बच्चों के उपचार संबंधी तैयारियों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि बच्चों में गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार अत्यंत आवश्यक है तथा इस दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने ऐसे विशेष जांच शिविरों को नियमित रूप से आयोजित करने और पात्र बच्चों को बिना विलंब उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। शिविर में रायपुर से पहुंचे पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. चन्द्रकांत उसेंडी ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने बच्चों की ईको कार्डियोग्राफी जांच कर अभिभावकों को बीमारी की स्थिति एवं आगे की उपचार प्रक्रिया की जानकारी दी। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बताया कि जन्मजात हृदय रोगों की समय पर पहचान होने से बच्चों का सफल उपचार संभव हो पाता है और कई गंभीर स्थितियों से बचाव किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, नितेश अग्रवाल, मनीराम साहू, रिंकेश वैष्णव, मोहन ठाकुर, जितेंद्र सिंह तथा दुर्गेश दुबे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तूरे, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सलिल मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनुपमा तिवारी, डॉ. मुकुंद राव, आराधना बंजारे, प्रिया तंबोली, चंदन टेकाम तथा चिरायु दल के सदस्यों ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिले के शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों, आश्रम-छात्रावासों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। चिरायु दल वर्ष में निर्धारित समय पर संस्थानों का भ्रमण कर बच्चों की जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराता है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सलिल मिश्रा ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों में दूध पीते समय अत्यधिक थकान, अधिक पसीना आना, होंठ या नाखूनों का नीला पड़ना, वजन नहीं बढ़ना, तेज सांस चलना, थोड़े परिश्रम में सांस फूलना, सीने में दर्द, चक्कर आना अथवा बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे सामान्य न समझें। ऐसे संकेत हृदय रोग की ओर इशारा कर सकते हैं। समय पर चिकित्सकीय जांच और उचित उपचार से बच्चों को गंभीर हृदय संबंधी बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है।

ग्रे-वॉटर प्रबंधन संरचनाओं से अपशिष्ट जल का सुरक्षित निस्तारण

दल्लीराजहरा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत बालोद जिले के विभिन्न ग्रामों में घरेलू उपयोग के बाद निकलने वाले ग्रे-वॉटर (रसोई, स्नानघर एवं कपड़े धोने का पानी) के वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु प्रभावी पहल की जा रही है। इसके तहत पेयजल स्त्रोतों के समीप सोकपिट, मैजिक पिट एवं अन्य ग्रे-वॉटर प्रबंधन संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। इन संरचनाओं के माध्यम से अपशिष्ट जल का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे गांवों में स्वच्छता को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। पूर्व में घरों से निकलने वाला ग्रे-वॉटर सड़कों एवं गलियों में बहने से जलभराव, गंदगी, दुर्गंध तथा मच्छरों के पनपने जैसी समस्याएं उत्पन्न होती थीं। अब निर्मित सोकपिट एवं मैजिक पिट के माध्यम से यह पानी भूमि में सुरक्षित रूप से समाहित हो रहा है, जिससे जलभराव की समस्या कम हुई है तथा गांव का वातावरण अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ बन रहा है। इन संरचनाओं से भू-जल स्तर के पुनर्भरण को भी बढ़ावा मिल रहा है। वर्षा जल एवं ग्रे-वॉटर के भूमि में समाहित होने से जल स्त्रोतों के संरक्षण में सहायता मिल रही है, जो भविष्य में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रे-वॉटर प्रबंधन से जल प्रदूषण में कमी आने के साथ-साथ खुले में गंदा पानी बहने की समस्या समाप्त हो रही है। इससे संक्रामक बीमारियों के प्रसार का खतरा कम हुआ है तथा ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण प्राप्त हो रहा है। कई स्थानों पर उपचारित जल का उपयोग पौधारोपण एवं हरित क्षेत्र के संरक्षण में भी किया जा रहा है, जिससे जल का पुनः उपयोग संभव हो रहा है। जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे निर्मित सोकपिट, मैजिक पिट एवं ग्रे-वॉटर संरचनाओं का नियमित उपयोग एवं रखरखाव करें तथा किसी भी प्रकार का ठोस कचरा इनमें न डालें। जनसहभागिता से ही ग्रे-वॉटर प्रबंधन की यह पहल सफल होगी और स्वच्छ, स्वस्थ एवं जल-सुरक्षित गांवों के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

जनता की समस्याओं का समाधान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता : विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे ग्रामीणों एवं नगरवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने स्वच्छ पेयजल, सड़क एवं नाली निर्माण, विद्युत व्यवस्था, सामुदायिक भवन, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित स्थानीय विकास से जुड़ी विभिन्न मांगें विधायक के समक्ष रखीं। विधायक दीपेश साहू ने प्रत्येक नागरिक की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र का कोई भी नागरिक अपनी समस्या लेकर उनसे सीधे मिल सकता है।

हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध भाजपा सरकार : विधायक दीपेश साहू

कार्यक्रम के अंत में नागरिकों को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण, सड़क-नाली, सामुदायिक भवन, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित प्रत्येक क्षेत्र में जनहित सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला और युवा सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में विकास की नई धारा बहाने का प्रयास किया जा रहा है। विधायक साहू ने कहा कि जनता की समस्याएं मेरी प्राथमिकता हैं और उनका समाधान हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। आपकी हर उचित मांग पर शीघ्र कार्रवाई होगी और विकास का लाभ विधानसभा क्षेत्र के हर घर तक पहुंचाया जाएगा।

कुर्मी समाज ने विधायक का जताया आभार

इसी दौरान बेमेतरा नगर पालिका में कुर्मी समाज के कमलेश वर्मा को प्रतिनिधित्व मिलने पर समाज के पदाधिकारियों ने विधायक दीपेश साहू से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। कमलेश वर्मा को एल्डरमैन नियुक्त किए जाने पर कुर्मी समाज में खुशी का माहौल है। समाज के पदाधिकारियों ने विधायक कार्यालय पहुंचकर विधायक दीपेश साहू का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सिंघरौर कुर्मी समाज के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा, नवनियुक्त एल्डरमैन कमलेश वर्मा, प्रज्वल वर्मा, चम्पेश्वर वर्मा, भाजपा नेता शेखर वर्मा, लखन वर्मा, पोषण वर्मा सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को कापी पेन व अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण

सरायपाली। शासकीय प्राथमिक शाला दर्राभाठा, संकुल केंद्र बैदपाली में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से बच्चों को उपयोगी शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को पहाड़ा, पेन एवं कॉपी प्रदान की गईं। आराध्या स्पोर्ट्स की ओर से पहाड़ा व पंच सुशीला कुमार की और से कॉपी की व्यवस्था की गई थी। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में नियमित अध्ययन, लेखन अभ्यास एवं गणितीय दक्षता को बढ़ावा देना है। प्राथमिक स्तर पर पहाड़ा सीखना बच्चों की गणितीय समझ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों को पहाड़ा उपलब्ध कराकर उन्हें नियमित अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं पेन एवं कॉपी के वितरण से बच्चों को लिखने-पढ़ने के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध हुई, जिससे उनके अध्ययन कार्य में सुविधा होगी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने, प्रतिदिन पढ़ाई करने, लिखने का अभ्यास करने और दिए गए पहाड़ों को याद करने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक शैक्षणिक सामग्री प्राप्त की और इस पहल के प्रति खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर प्रधान पाठक हृदयराम राम साव ने कहा कि बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने से उनमें पढ़ाई के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ ऐसी गतिविधियां भी आवश्यक हैं, जो उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करें। शिक्षक जयंत बारीक ने कहा कि बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही नियमित अभ्यास की आदत डालना अत्यंत आवश्यक है। पहाड़ा गणितीय दक्षता की नींव मजबूत करता है, जबकि कॉपी और पेन बच्चों में लेखन कौशल विकसित करने में सहायक होते हैं। विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रीबिका कुमार ने अपनी और से सभी बच्चों को कॉपी भेंट किया बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई करने तथा अपने शिक्षकों और अभिभावकों के मार्गदर्शन का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

बस स्टैंड पालिका बाजार में व्यापारियों को दुकान आवंटन का इंतजार जल्द होगा समाप्त : विजय

बेमेतरा। नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड स्थित पालिका बाजार का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, लेकिन व्यापारियों का अपनी दुकानों में व्यवसाय शुरू करने का सपना अभी तक अधूरा है। वर्तमान में दुकानों के किराया/रेट निर्धारण की फाइल कलेक्टर कार्यालय में स्वीकृति के लिए भेजी गई है। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया कि रेट निर्धारण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। कलेक्टर से स्वीकृति प्राप्त होते ही नगर पालिका द्वारा पूर्व में अग्रिम आधिपत्य (अस्थायी आवंटन) प्राप्त कर चुके पात्र व्यापारियों को विधिवत दुकानें आवंटित कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य है कि व्यापारियों को शीघ्र उनकी दुकानें उपलब्ध कराई जाएं, जिससे वे अपना व्यवसाय प्रारंभ कर सकें और पालिका बाजार पूरी तरह संचालित होकर नगर के व्यापारिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। नगर पालिका इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिन लोगों को दुकान आबटन हो चुका है किराया नहीं जमा किया जा रहा है उनके ऊपर कार्रवाई की जाएगी जब से संचालित हो रही है तब से किराया वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर उइके ने नीट, जेईई जैसे प्रवेश परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा के सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश परीक्षा में चयनित बच्चों को सम्मानित किया। कलेक्टर उइके ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में उन्हें मोमेंटो एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने कहा कि दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर वे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों के समर्पित प्रयासों और मार्गदर्शन को भी दिया। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, डिप्टी कलेक्टर नेहा भेड़िया, हितेश्वरी बाघे सहित अन्य अधिकारियों ने चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी सत्रों में भी विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों तक पहुंचाने के लिए विद्यालय परिवार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। विद्यालय के कुल 33 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की। इनमें चिकित्सा क्षेत्र के प्रवेश परीक्षा नीट, बीएससी नर्सिंग एवं फार्मेसी में 16 विद्यार्थियों ने, इंजीनियरिंग एवं डिजाइन क्षेत्र के जेईई मेन्स में 4 विद्यार्थियों ने एवं एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के बीए-बीएड पाठ्यक्रम में 13 विद्यार्थियों का चयन हुआ। इस दौरान सहायक आयुक्त लोकेश पटेल तथा विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

गौण खनिज मद से होंगे जनपद में विकास कार्य, 11 कार्यों की स्वीकृति हेतु 8 लाख की अनुशंसा

डोंगरगांव नगर। जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जनपद अध्यक्ष रंजीता पडोती की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनपद क्षेत्र में संचालित विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। गौण खनिज मद की राशि से विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों का अनुमोदन कर स्वीकृति हेतु अनुशंसा की गई। बैठक में सामान्य प्रशासन, शिक्षा, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, वन तथा लोक निर्माण विभाग सहित कुल 24 विभागों की विभागवार समीक्षा की गई। जनपद अध्यक्ष रंजीता पडोती ने सभी विभागीय अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। सामान्य सभा में गौण खनिज मद से जनपद क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों की आवश्यकताओं को देखते हुए कुल 11 विकास कार्यों के लिए लगभग 7.95 लाख रुपये की राशि का अनुमोदन कर स्वीकृति हेतु अनुशंसा की गई।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा विधायक का कांग्रेस पर हमला, बोले- 'भारत माता का सम्मान करने वाला ही करेगा राज'

रायपुर। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम के अपमान या इसे गाने में बाधा डालने को आपराधिक अपराध बनाने संबंधी प्रस्तावित विधेयक को लेकर छत्तीसगढ़ में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।पुरंदर मिश्रा ने कहा कि जो भारत माता का सम्मान करेगा, वही इस देश में राज करेगा। कांग्रेस यदि 'भारत माता की जय' नहीं बोलना चाहती तो उसे भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस को चीन या इटली चले जाना चाहिए।बिजली बिल अभियान पर भी साधा निशानाकांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे बिजली बिल अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि जनता को लूटने का काम पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली बिल से जुड़े ठेकों का काम कांग्रेस शासनकाल में केवल तीन कंपनियों को दिया गया था और इसकी जांच होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब जनता के बीच जाकर वर्तमान विष्णुदेव साय सरकार की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है, जबकि बिजली बिल से जुड़ी गड़बड़ियों की जिम्मेदारी पूर्ववर्ती सरकार की है।भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के दौरे पर तंजपूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के लगातार संयुक्त दौरों पर भी पुरंदर मिश्रा ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, 2018 में हनीमून की सरकार बनी थी, फिर उनका तलाक हो गया। अब एक बार फिर दोनों हनीमून मना रहे हैं।भाजपा विधायक के इन बयानों के बाद प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी और तेज होने के आसार हैं।

राजधानी में दिनदहाड़े कारोबारी पर जानलेवा हमला सोने की चेन लूटकर फरार

रायपुर। राजधानी रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े मारपीट और लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। लालपुर ब्रिज के नीचे कुछ बदमाशों ने पहले एक कारोबारी की कार पर पत्थर मारकर पीछे का शीशा तोड़ दिया। जैसे ही कारोबारी कार से बाहर निकला, आरोपियों ने डंडे, सरिया और हथौड़े से उस पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि बीच-बचाव करने पहुंचे कारोबारी के साथियों के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। इस दौरान बदमाश कारोबारी के गले से सोने की चेन लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो के आधार पर न्यू राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश कर रही है।

महिला से कथित सामूहिक दुष्कर्म, तीन अज्ञात ट्रक चालकों पर केस दर्ज

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर तीन अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, कांकेर जिले की रहने वाली महिला बालोद-दल्ली राजहरा मुख्य मार्ग स्थित पर्यावरण पार्क के पास बेसुध अवस्था में मिली थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में होश आने के बाद महिला ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि उसका अपहरण कर तीन लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि घटना में तीन अज्ञात ट्रक चालक शामिल हो सकते हैं। हालांकि, पुलिस ने अभी आरोपियों की आधिकारिक पहचान की पुष्टि नहीं की है और मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर ने बताया कि पीड़िता कांकेर जिले की निवासी है।

नगर निगम लाईसेंस फीस का बकाया भुगतान नहीं करने पर 14 दुकानों को सीलबंद करने की कार्रवाई

रायपुर। रायपुर अबटीम प्रहरी अभियान अंतर्गत रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में नगर निगम उद्यान विभाग की टीम ने नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता की टीम के सहयोग से वहां स्थित 14 दुकानों द्वारा नगर निगम लाईसेस फीस का बकाया भुगतान नहीं करने पर सीलबंद करने की कार्यवाही उपायुक्त उद्यान जागृति साहू के मार्ग निर्देशन एवं उप अभियंता उद्यान रूचिका मिश्रा की उपस्थिति में की। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम मुख्यालय भवन के सामने निगम उद्यान परिसर में गणपति इंप्रा को 14 दुकानें 5 वर्ष के लिए संचालित करने का लाईसेंस दिया गया है, जो अगस्त 2026 को समाप्त हो रहा है।

सीसीटीएनएस को और सशक्त बनाने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

ई-साक्ष्य के लिए सभी जिलों में विशेष प्रशिक्षण अभियान चलेगा

- स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मेडलीपार द्वारा जांच प्रकिया को त्वरित करने दिए निर्देश
- नवीन भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप न्याय प्रक्रिया को त्वरित, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर जोर

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में नवीन भारतीय न्याय संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय प्रक्रिया को तकनीक आधारित, सरल एवं त्वरित बनाने की दिशा में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीसीटीएनएस के संचालन में आ रही व्यवहारिक चुनौतियों, विभिन्न डिजिटल मॉड्यूल के एकीकरण तथा न्यायिक एवं पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नवीन भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप अपराधों की विवेचना, साक्ष्य संकलन, न्यायालयीन प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को पूर्णत: डिजिटल और समयबद्ध बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीसीटीएनएस के माध्यम से न्याय प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को अधिक सुगम, पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाया जाए। बैठक में ई-एफआईआर, ई-चालान, ई-साक्ष्य, मेडलीपार, ई-प्रिजन, ई-फोरेंसिक, सीआईएस, न्याय श्रुति तथा अन्य डिजिटल प्रणालियों को सीसीटीएनएस के साथ प्रभावी रूप से संचालित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी मॉड्यूलों के बीच समन्वय स्थापित कर न्याय

प्रक्रिया को अधिक तेज और पारदर्शी बनाया जाए, जिससे नागरिकों को त्वरित न्याय उपलब्ध हो सके। श्री शर्मा ने कहा कि डिजिटल साक्ष्यों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य के सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को ई-साक्ष्य प्रणाली का व्यापक प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि डिजिटल साक्ष्यों का संकलन, संरक्षण एवं न्यायालय में प्रस्तुतिकरण पूरी दक्षता के साथ किया जा सके। उन्होंने अच्छा कार्य करें वाले जिलों को प्रोत्साहित कर उन बैठक में न्याय श्रुति प्रणाली को शीघ्र प्रारंभ करने पर भी चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उच्च न्यायालय के माध्यम से सभी न्यायाधीशों की आवश्यक आईडी तैयार कराकर न्याय श्रुति प्रणाली को जल्द से जल्द गो-लाइव किया जाए, जिससे न्यायालयीन प्रक्रियाओं में तकनीक का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो सके। बैठक में प्रार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रारंभिक चरण में दुर्ग, बिलासपुर तथा रायपुर कमिश्नरेट के सभी थानों में तथा राज्य के प्रत्येक जिले के दो-दो थानों में इस माह के अंत तक दो-दो ई-साइनिंग पैड उपलब्ध कराए जाएं। इससे शिकायतकर्ताओं के डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया सरल होगी और दस्तावेजों का ऑनलाइन निष्पादन अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। इसके बाद पूरे राज्य में सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। श्री शर्मा ने नवीन भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के सभी पांचों स्तंभों को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस, न्यायालय, जेल, फोरेंसिक तथा अभियोजन तंत्र के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर न्याय प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाए।बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मेडिकल जांच एवं रिपोर्ट की प्रक्रिया को और तेज बनाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं सुरक्षित भविष्य का संकल्प है....

रायपुर। संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल आज सरगुजा जिले के लखनपुर स्थित जी.आर.ए. स्कूल, जूनाडीह में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों और उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, हरियाली और सुरक्षित भविष्य की अमूल्य धरोहर बनता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया।श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन में आगे कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण को जनआंदोलन बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक आवश्यक उसकी नियमित देखभाल करना है, ताकि वह एक सशक्त वृक्ष बनकर समाज और प्रकृति की सेवा कर सके।उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि विद्यार्थी अपने जीवन में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करेंगे और प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करेंगे, तो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने, पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने तथा जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

करंट लगने से किसान की मौत, खेत में सिंचाई के दौरान हुआ हादसा

रायपुर । छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम झरगांव में हुआ, जहां धान की सिंचाई के दौरान 41 वर्षीय किसान रतन पैंकरा बिजली की चपेट में आ गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेत में मोटर पंप चलाने के लिए कथित तौर पर अवैध बिजली हुकिंग की गई थी। इसी दौरान किसान नंगे बिजली के तार के संपर्क में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।बताया जा रहा है कि किसान देर रात तक घर नहीं लौटे, जिसके बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। अगले दिन दोपहर उनका शव खेत में मिला। घटना की सूचना मिलने पर बतौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

मुख्य सचिव विकासशील ने विभागी सचिवों की ली उच्च स्तरीय बैठक....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के समस्त विभागों के भार सादक सचिवों की बैठक ली। बैठक में विभागों के महत्वपूर्ण कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा है कि सेवा निवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया दो वर्ष से ही प्रारंभ कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सेवा निवृत्त होने वाले अधिकारी कर्मचारियों की सूची विभागावार अद्यतन कर ली जाए। मुख्य सचिव ने विभागीय सचिवों को उनके विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है। बैठक में ई-ऑफिस, आधार बेस अटेंडेंस, लोक सेवा गारंटी, सूचना के अधिकार, सुघ्घर छत्तीसगढ़, नियद नेल्लानार योजना, पीएम प्रगति पोर्टल, ई-प्रगति, डी रेगुलेशन ई-गजट, सेवा सेतु, ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं, पीएम सूर्य घर बिजली सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आई-गॉट के तहत विभागवार चिन्हित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग की जाये। अधिकारी-कर्मचारियों को आई-गॉट के तहत विभाग की आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण दिलाने कहा है। मुख्य सचिव ने कहा है कि सभी विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं को ऑनलाइन किया जाए। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा।

अवैध हथियार,गांजा और शराब के मामलों में कई एफआईआर दर्ज....

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी, मारपीट, सड़क हादसे, अवैध हथियार, मादक पदार्थ और आबकारी अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज किए गए हैं। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के सूरज नगर, लभांडी से प्रीतम यादव की खड़ी मोटरसाइकिल (सीजी-04-एनआर-8126) अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पुलिस ने करीब 30 हजार रुपये की चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उरला थाना क्षेत्र के शांतिनगर बीरगांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। नेहा दुबे की शिकायत पर मुकेश यादव एवं अन्य के खिलाफ तथा मुकेश यादव की शिकायत पर नेहा दुबे एवं अन्य के खिलाफगाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। आजाद चौक थाना क्षेत्र में साइकिल वापस मांगने को लेकर हुए विवाद में लक्ष्मीनारायण यादव के साथ मारपीट कर घायल करने का मामला दर्ज हुआ है। वहीं राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में लालपुर ब्रिज के नीचे कार का शीशा पत्थर मारकर तोड़ने, मारपीट और धमकी देने के आरोप में राम कोलरिया एवं अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। डीडी नगर थाना क्षेत्र में स्कूटी टकराने के बाद हुए विवाद में भी युवक के साथ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में विधानसभा रोड स्थित माता गैरेज के सामने हुए सड़क हादसे में घायल सुंदरलाल माहेश्वरी की उपचार के दौरान मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर मृत्यु कारित करने का अपराध दर्ज किया गया है। खम्हारडीह थाना क्षेत्र के अवंति विहार स्थित एक मकान में अज्ञात चोर घर में घुसकर 18,500 रुपये कीमत का सैमसंग मोबाइल चोरी कर ले गया। वहीं खमतराई थाना क्षेत्र में शराब के नशे में बेटे द्वारा अपनी मां के साथ गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और बेलन से हमला कर घायल करने का मामला दर्ज किया गया है। गंज थाना पुलिस ने बांसटाल पानी टंकी के पास कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 17 पाव देशी शराब और बिक्री रकम के साथ गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दो 17 वर्षीय अपचारी बालकों को अवैध चाकू लेकर लोगों को आतंकित करते हुए पकड़कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

भूपेश-टीएस के संयुक्त दौरों पर भाजपा का तंज,यूसीसी और विकास कार्यों पर भी कांग्रेस को घेरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के लगातार संयुक्त दौरों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। मंत्री रामविचार नेताम और भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने इस मुद्दे पर तंज कसते हुए कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर भी टिप्पणी की। रामविचार नेताम ने कहा, बाबा को भेलपुरी खिला रहे हैं, नट-बोल्ट वाले कड़कनाथ भी खिलाएं। दिल मिले या न मिले, आंखें जरूर मिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसे प्रदेश अध्यक्ष बनाए या किसे राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी दे, यह पूरी तरह उस पार्टी का आंतरिक मामला है। वहीं भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कटाक्ष करते हुए कहा, 2018 में हनीमून की सरकार बनी थी, फिर उनका तलाक हो गया। अब एक बार फिर दोनों हनीमून मना रहे हैं। समान नागरिक संहिता ष्ट्ट को लेकर मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि कांग्रेस लोगों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि ष्ट्ट से आदिवासी, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के अधिकार या आरक्षण पर कोई असर नहीं पड़ेगा।उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को गुमराह कर रही है, जबकि सरकार स्पष्ट कर चुकी है।

बिहान की दीदियों ने बदली तकदीर, ईंट निर्माण से बनीं आत्मनिर्भर'

- 5,500 ईंटें बेचकर कमाए 1.32 लाख रुपये, अब बच्चों की पढ़ाई और परिवार की जिम्मेदारी खुद उठा रहीं महिलाएं

रायपुर/ संवाददाता

सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम जीरमपाल की महिलाओं ने मेहनत, एकजुटता और सरकारी सहयोग से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत गठित बम्लेश्वर स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने ईंट निर्माण का कार्य शुरू कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाई है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी श्बिहानश् योजना के तहत समूह को समय पर वित्तीय और तकनीकी सहायता मिली। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और महिलाओं की मेहनत से यह पहल सफल हुई। आज यह समूह ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार का प्रेरणादायी उदाहरण बन गया है। समूह की 10 महिलाओं ने मिलकर पिछले एक वर्ष में 5,500 ईंटों का निर्माण और विक्रय किया। इससे उन्हें 1 लाख 32 हजार रुपये की आय हुई। इस आय ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया और परिवार की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समूह की सदस्य आसमती बताती हैं कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। आज वे अपनी आय से बच्चों की पढ़ाई, कपड़े और घर की अन्य जरूरतें पूरी कर रही हैं। अब परिवार के निर्णयों में भी उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी है। आत्मनिर्भर बनने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। बम्लेश्वर स्व-सहायता समूह की सफलता से जीरमपाल और आसपास के गांवों की अन्य महिलाएं भी स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रही हैं। यह पहल नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण तथा ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने का सफल उदाहरण बनकर उभरी है। जीरमपाल की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन, सरकारी योजनाओं का सहयोग और मेहनत का साथ मिले, तो ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदल सकती हैं, बल्कि पूरे गांव के विकास की नई कहानी भी लिख सकती हैं। श्बिहानश् योजना उनके सपनों को नई उड़ान देने का सशक्त माध्यम बन रही है।

हर माह बढ़ रही बचत,घर का बिजली बिल शून्य

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बनी हरित समृद्धि की नई पहचान.....

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने, घरों में बिजली व्यय को कम करने तथा ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना प्रभावी रूप से क्रियान्वित की जा रही है। यह योजना न केवल परिवारों को बिजली बिल से राहत प्रदान कर रही है, बल्कि अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। योजना के माध्यम से हजारों परिवार आर्थिक बचत के साथ हरित ऊर्जा को अपनाकर स्वावलंबन की नई मिसाल स्थापित कर रहे हैं। कोरबा शहर के पत्थरीपारा की श्रीमती लारा तिर्की एवं उनके पति श्री अनजुलस तिर्की का परिवार भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित होकर सौर ऊर्जा के सकारात्मक परिणामों का अनुभव कर रहा है। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपने घर पर तीन किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित कराया। सितम्बर-2025 में सोलर प्लांट लगने के बाद से उनके घर का बिजली बिल पूरी तरह समाप्त हो गया है और तब से अब तक उनका बिजली बिल लगातार शून्य आ रहा है। पहले उनके परिवार को प्रतिमाह लगभग एक हजार से डेढ़ हजार रुपये तक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब यह राशि पूरी तरह बच रही है। श्रीमती तिर्की ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार से कुल एक लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सोलर प्लांट स्थापित करना उनके लिए आसान हो गया और किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह योजना आम परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है, क्योंकि इससे बिजली बिल से राहत मिलने के साथ-साथ स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा का उपयोग भी बढ़ा है।

संपादकीय

वैष्णो देवी मंदिर -20-30 करोड़ की असली, बाकी नकली? जवाब तलाश रही जांचे

हाल ही में मंदिर प्रबंधन की ओर से यह दावा किया गया था कि चढ़ावे के रूप में लगभग 550 करोड़ रुपये की चांदी प्राप्त हुई थी, जिसमें से केवल 20 से 30 करोड़ रुपये की चांदी ही असली थी, जबकि शेष चांदी नकली या मिलावटी थी। करोड़ों लोगों की आस्था और विश्वास पर बने मंदिरों में वित्तीय अनियमितताओं की परतें अब सिलसिलेवार खुलने लगी हैं। अयोध्या स्थित राम मंदिर और बद्रीनाथ धाम के बाद जम्मू के माता वैष्णो देवी मंदिर में चांदी के चढ़ावे में बड़े पैमाने पर हेराफेरी के आरोप लगे हैं। इस मामले में पुलिस की जांच प्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यही वजह है कि अब स्थानीय अदालत ने पुलिस को शिकायत के संबंध में पूरा ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया है।ऐसे में अहम सवाल यह है कि आखिर क्या वजह है कि मंदिर प्रबंधन के जिन लोगों पर वित्त की निगरानी, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसकी संपत्तियों की रक्षा करने का दायित्व होता है, या तो उनके लिए इन जिम्मेदारियों का कोई महत्त्व नहीं होता या फिर वे खुद ही कठघरे में खड़े दिखाई देते हैं! जाहिर है कि व्यापक साठगांठ के बिना यह सब संभव नहीं हो सकता है।माता वैष्णो देवी मंदिर में पाँच सौ करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के चांदी के चढ़ावे में हेराफेरी का आरोप है। इस मामले में पुलिस को शिकायत दी गई थी, लेकिन उसकी रिपोर्ट पर ही सवाल उठने के बाद मामला अदालत पहुंच गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि पुलिस की रिपोर्ट में इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई या नहीं, और न ही श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए करीब बीस टन चांदी के संबंध में लगे आरोपों की कोई सार्थक या विस्तृत जांच की गई।दरअसल, हाल ही में मंदिर प्रबंधन की ओर से यह दावा किया गया था कि चढ़ावे के रूप में लगभग 550 करोड़ रुपये की चांदी प्राप्त हुई थी, जिसमें से केवल 20 से 30 करोड़ रुपये की चांदी ही असली थी, जबकि शेष चांदी नकली या मिलावटी थी। इस दावे पर इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि चढ़ावे की चांदी में कैडमियम मिले होने की बात सामने आई है। चूंकि कैडमियम एक विषैली धातु है और इसका व्यापार एवं उपयोग नियमानुसार ही किया जा सकता है तथा इस पर सरकार की कई एजेंसियों की नजर रहती है।इस मामले में आरोपों को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि प्रथमदृष्टया यह विश्वास करना मुश्किल है कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कैडमियम युक्त नकली चांदी खरीद सकते हैं। अगर मंदिर प्रबंधन का यह दावा सच पाया जाता है, तो इसका सीधा मतलब होगा कि देश भर के अनगिनत दुकानदार इस जहरीली धातु वाली मिलावटी चांदी को खरीदने एवं उसे आम लोगों को बेचकर अच्छा-खासा मुनाफा कमाने के गोरखधंधे में लिप्त हैं और यह अपने आप में बेहद गंभीर सवाल खड़े करता है।पुलिस का तर्क है कि इस मामले में शिकायत प्राप्त होने के बाद उसे मंजूरी के लिए पुलिस महानिरीक्षक और अपराध शाखा को भेजा गया था।

पंजाब में कांग्रेस को आपसी खींचतान में उलझा देख भाजपा ने मोदी को आगे कर पलट दी बाजी

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे का दूसरा बड़ा आयाम रविदासिया समाज तक पहुंच बनाना है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी गुरु रविदास जयंती पर डेरा सचखंड बल्लां पहुंच चुके हैं। जालंधर और पूरा दोआबा क्षेत्र रविदासिया समुदाय का प्रभावशाली राजनीतिक केंद्र माना जाता है।

पंजाब में विधानसभा चुनावों से पहले का राजनीतिक परिदृश्य बड़ा हैरान कर देने वाला है। एक ओर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी अपनी नाकामियों और तमाम तरह के आरोपों का सामना कर रही है, वहीं खुद को सत्ता की प्रबल दावेदार मान रही कांग्रेस में एकाएक जबरदस्त आपसी खींचतान मच गयी है। साथ ही पंजाब में कई बार राज कर चुका शिरोमणि अकाली दल अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है तो वहीं राज्य में पहली बार अपने दम पर सभी विधानसभा सीटों पर लड़ने का ऐलान कर चुकी भाजपा ने मौका देख कर अपनी चुनावी रणनीति को नई धार दे दी है।

हम आपको बता दें कि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर विकास, धार्मिक-सामाजिक समीकरणों और नए राजनीतिक संदेश के सहारे अपनी जमीन मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जालंधर दौरे पर आ रहे हैं। उनका दौरा केवल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे 2027 की चुनावी बिसात का स्पष्ट राजनीतिक संदेश छिपा है।

भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी का पंजाब दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब राज्य की राजनीति सतलुज फिल्म विवाद से गर्माई हुई है। इस पूरे विवाद में भाजपा सबसे अधिक राजनीतिक दबाव में दिखाई दी। पार्टी लगातार यह कहती रही कि फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में उसकी कोई भूमिका नहीं है, लेकिन विपक्ष ने पूरे विवाद का राजनीतिक ठीकरा भाजपा पर ही फोड़ दिया। भाजपा के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आए। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म को पंजाब की त्रासदी का एकतरफा चित्रण बताते हुए इसकी आलोचना की और कहा कि इसमें आतंकवाद की पृष्ठभूमि तथा पुलिसकर्मियों के बलिदान की अनदेखी की गई है। दूसरी ओर वरिष्ठ भाजपा नेता इकबाल सिंह लालपुरा ने सार्वजनिक रूप से बिट्टू को अपनी सीमाओं में रहने की सलाह दी। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने भी माहौल शांत करने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब ने बहुत खून-खराबा देखा है, इसलिए पुराने जख्मों को कुरेदने की बजाय शांति और जिम्मेदार संवाद की जरूरत है। पार्टी के भीतर यह स्वीकार किया जा रहा है कि फिल्म कांग्रेस शासनकाल की घटनाओं पर आधारित होने के बावजूद राजनीतिक जवाब भाजपा को देना पड़ रहा है।

ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री मोदी का विकास एजेंडा भाजपा के लिए राजनीतिक नैरेटिव बदलने का प्रयास माना जा रहा है। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का उद्घाटन, मोहाली, श्री मुक्तसर साहिब और श्री आनंदपुर साहिब समेत कई रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण केवल आधारभूत ढांचे का विस्तार नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी है कि भाजपा पंजाब में विकास की राजनीति को केंद्र में रखना चाहती है। साथ ही यह भी तय माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ेगी।

इस दौरे का दूसरा बड़ा आयाम रविदासिया समाज तक पहुंच बनाना है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी गुरु रविदास जयंती पर

भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी का पंजाब दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब राज्य की राजनीति सतलुज फिल्म विवाद से गर्माई हुई है। इस पूरे विवाद में भाजपा सबसे अधिक राजनीतिक दबाव में दिखाई दी। पार्टी लगातार यह कहती रही कि फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में उसकी कोई भूमिका नहीं है, लेकिन विपक्ष ने पूरे विवाद का राजनीतिक ठीकरा भाजपा पर ही फोड़ दिया। भाजपा के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आए। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म को पंजाब की त्रासदी का एकतरफा चित्रण बताते हुए इसकी आलोचना की और कहा कि इसमें आतंकवाद की पृष्ठभूमि तथा पुलिसकर्मियों के बलिदान की अनदेखी की गई है। दूसरी ओर वरिष्ठ भाजपा नेता इकबाल सिंह लालपुरा ने सार्वजनिक रूप से बिट्टू को अपनी सीमाओं में रहने की सलाह दी।

डेरा सचखंड बल्लां पहुंच चुके हैं। जालंधर और पूरा दोआबा क्षेत्र रविदासिया समुदाय का प्रभावशाली राजनीतिक केंद्र माना जाता है, जहां अनुसूचित जाति मतदाता चुनावी परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनंदपुर साहिब और मोहाली जैसे धार्मिक एवं शहरी क्षेत्रों को भी इस दौरे में शामिल करना भाजपा की व्यापक सामाजिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। श्री मुक्तसर साहिब का चयन भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल का गृह जिला है। हम आपको बता दें कि भाजपा पहले ही 2027 का चुनाव अपने दम पर लड़ने का ऐलान कर चुकी है, हालांकि उसने गठबंधन के विकल्प पूरी तरह बंद भी नहीं किए हैं। ऐसे में विकास और

सामाजिक आउटरीच के जरिए पार्टी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

दूसरी ओर कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि उसका अपना संगठन बन गया है। लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी के बावजूद पार्टी हाईकमान ने अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने का फैसला किया है। पार्टी का आकलन है कि विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व परिवर्तन संगठन को कमजोर कर सकता है। कांग्रेस सूत्रों का दावा है कि राज्य के 29 में से 25 जिला अध्यक्ष, सात में से चार सांसद और 18 में से 10 विधायक वड़िंग के साथ हैं। पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने भी स्पष्ट संकेत दिया कि फिलहाल यथास्थिति ही बनी रहेगी और मीडिया में चल रही अटकलों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि यह फैसला कांग्रेस के भीतर नई खींचतान का कारण बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाकर शक्ति संतुलन बनाने की कोशिश की गई, लेकिन चन्नी समर्थक इसे पर्याप्त नहीं मानते। उनका तर्क है कि चुनाव अभियान का नेतृत्व करने और पंजाब में पार्टी का प्रमुख चेहरा बनने के बाद चन्नी को अधिक अधिकार मिलने चाहिए थे। वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई नेता भी वड़िंग के नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि लोकतांत्रिक दल में मतभेद स्वाभाविक हैं और समय आने पर असंतुष्ट नेताओं को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा, लेकिन फिलहाल संगठन में स्थिरता सबसे बड़ी प्राथमिकता है। बहरहाल, स्पष्ट है कि पंजाब की राजनीति अब केवल विकास बनाम विपक्ष की लड़ाई नहीं रह गई है। भाजपा अतीत की बहसों से निकलकर विकास, रेलवे परियोजनाओं और रविदासिया समाज के जरिए नया राजनीतिक विमर्श गढ़ना चाहती है, जबकि कांग्रेस अपने ही संगठनात्मक संकट से जूझते हुए एकजुटता बचाने में लगी है। इस बीच, सतलुज विवाद ने पंजाब के पुराने जख्मों को फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है, लेकिन असली मुकाबला इस बात का होगा कि 2027 तक कौन-सी पार्टी जनता के सामने सबसे विश्वसनीय राजनीतिक कथा स्थापित कर पाती है। फिलहाल भाजपा विकास और सामाजिक समीकरणों के सहारे नई जमीन तलाश रही है, जबकि कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी परीक्षा अपने घर की कलह पर नियंत्रण पाने की है। पंजाब की चुनावी बिसात बिछ चुकी है और आने वाले महीनों में यही दोनों ध्रुव राज्य की राजनीति की दिशा तय करेंगे क्योंकि आम आदमी पार्टी के प्रति बढ़ती नाराजगी को देखते हुए सत्ता से उसकी विदाई तय मानी जा रही है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

मन के विचार और कर्मों का फर्क समझिए, हर दिखने वाली चीज का मतलब गलत नहीं होता

(अमिताभ स)

हर व्यक्ति में पूर्ण क्षमता है, चाहे तो वह कल्पना से भी ज्यादा नीचे गिर जाए और चाहे जितना भी ऊपर उठ जाए। ऊपर उठने की राह मेहनत और सही सोच से बनती है।

एक दिन एक बच्चा अपने पिता के साथ बाजार गया। बाजार में चलते-फिरते उसकी नजर खिलौनों की दुकान पर पड़ी। दुकान के बाहर ही प्लास्टिक की एक बंदूक सजी लटक रही थी। बंदूक देख कर उससे रहा नहीं गया। वह अपने पिता से बंदूक लेने की जिद करने लगा। काफी देर तक टालने और मना करने पर भी न मानने के बाद पिता ने उसे बंदूक खरीद दी।

वह बच्चा घर पहुंचा, तो उसने सबसे पहले अपनी मां को बंदूक दिखाई और बोला, 'मम्मी, इस बंदूक पर मेरे सपने टिके हैं!' सुन कर मां घबरा गई कि बेटा क्या कह रहा है। वह सोचने लगी कि कहीं उसका बच्चा बड़ा होकर चोर-डकैत तो नहीं बन जाएगा! फिर शाम होते ही वह अपनी खिलौना-बंदूक लेकर गली-मुहल्ले के अपने यार-दोस्तों पर रोब जमाने लगा। एक मित्र ने समझाया, 'यार, बंदूक भी कोई पसंद करता है? यह किस काम की है? कुछ लेना ही था, तो क्रिकेट का बल्ला और गेंद लेता। खेलते-खेलते खिलाड़ी बन जाता।'

फिर उसने साफ-साफ पूछा, 'भई, तुमने बंदूक ली ही क्यों?' बच्चा जब समझाने लगा तो कहा- 'मैंने बंदूक यह सोच कर ली है कि मैं बड़ा होकर सेना में जाऊंगा और देश की रक्षा करूंगा।' सुन कर दोस्त हक्का-बक्का रह गया! जब उसकी मां को पता चला कि उसका बच्चा ऐसा सोचता है, तो उसका भी सिर गर्व से ऊंचा उठ गया।ओशो के शब्द हैं, 'उस मां को, उस पिता को, मैं सच्चा माता-पिता कहता हूं और उस गुरु को, मैं सच्चा गुरु कहता हूं, जो अपने बच्चों और शिष्यों से कहे कि तुम खुद जैसे बनने की कोशिश करना। साथ ही, कभी भूल कर भी किसी और जैसे मत बनना। तो तुम्हारे भीतर एक सुगंध, एक सौरभ, एक गरिमा पैदा होगी, जिसके लिए तुम दुनिया में आए हो।' आमतौर पर, ऊपर-ऊपर से देख-सुन कर हर कोई अपने मन में किसी के बारे में धारणा बुन लेता है। मिसाल के तौर पर, अगर कोई युवा बेरोजगार तेज धार का चाकू खरीद लाए, तो उसे देखने वाले लोगों के दिमाग में पहला खयाल जरूर कौंधेगा कि चाकू से कुछ 'गलत' काम करने का इरादा होगा। बेशक उसकी ऐसी सोच हरगिज न रही हो। हो सकता है कि उसने अपने घर पर फल और सब्जियां काटने के लिए चाकू खरीदा हो।

इसी तरह एक बार एक घरेलू सहयोगी नरेश चूहे मारने की टिकिया लेने मुहल्ले की परचून दुकान पर गया। उसने दुकानदार की तरफ सौ रुपए का नोट बढ़ाया और कहा, 'भैया, एक फलां कंपनी की चूहे मारने की टिकिया दीजिए।' दुकानदार ने उससे जानना चाहा कि इसका क्या करोगे, तो वह बिना जवाब दिए, गुमसुम दुकानदार को ताकता रहा। शायद उसे दुकानदार से ऐसे सवाल की उम्मीद नहीं थी। दुकानदार ने उसे चूहे मारने की टिकिया देने से मना कर दिया। नरेश खाली हाथ घर लौट आया और अपने साहब से बोला कि दुकानदार ने पता नहीं क्यों उसे देने से इनकार कर दिया है। जबकि कई टिकियां सामने ही रखी हुई थीं। साहब नरेश को परचून की दुकान पर दुबारा ले गए। इस बार साहब ने वही टिकिया मांगी, तो दुकानदार ने बिना कुछ कहे-पूछे निकाल कर सामने रख दी।

साहब ने दुकानदार से जानना चाहा कि आपने नरेश को क्यों नहीं दी, तो दुकानदार बोला कि नरेश मुझे बता नहीं पाया कि इसका करेगा क्या! अगर वह कहता कि घर में उससे चूहे भगाने हैं, तो मैं फौरन दे देता, लेकिन वह खामोश रहा। इसलिए दुकानदार को संदेह हुआ कि छोटू का इरादा कुछ 'गलत' करने का है। यानी कहीं खुद खा ली, तो वह दुकानदार ही फंस जाएगा।

यह भी सच है कि मन में विचार रखने या महज इरादा होना, तब तक अपराध नहीं माना जाता, जब तक उसे अंजाम न दिया जाए। सड़क पर सफर के दौरान वाहनों का जाम लग जाने की सूरत में अगर कोई मन ही मन जल्दी पहुंचने के लिए उल्टी तरफ से जाना चाहे, तो कोई यातायात पुलिसकर्मी उसका चालान नहीं काटेगा, क्योंकि वह केवल चाह रहा है, उल्टी तरफ से गया नहीं है। जबकि अगर उसके मन में विचार उत्पन्न हो, और वह सचमुच गलत तरफ अपना वाहन ले जाए, तब कानून तोड़ने के जुर्म में फंसेगा। कहने का आशय यह कि सिर्फ चाहने या सोचने से किसी काम का हो जाना नहीं मान लिया जा सकता, जब तक कि वह वास्तव में घटित होता हुआ न दिखे।

वास्तव में, हर व्यक्ति में पूर्ण क्षमता है, चाहे तो वह कल्पना से भी ज्यादा नीचे गिर जाए और चाहे जितना भी ऊपर उठ जाए। मगर ऊपर उठने में चढ़ाई है और चढ़ाई में मेहनत लगती है। साथ ही चढ़ाई मेहनत के साथ सब्र मांगती है।

क्या फिर टूटने की राह में एनसीपी? सुनेत्रा परिवार से पार्टी का एक गुट नाराज

(आलोक देशपाण्डे)

महाराष्ट्र की नेशनल कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में इन दिनों सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बुधवार को डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के बीच एक बैठक हुई। मीटिंग दोनों नेताओं के बीच असंतोष पर खत्म हुई। मीटिंग में सुनेत्रा पवार ने सुनील से पूछा कि आप और वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल की मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के साथ बैठक की बात उन्हें पहले क्यों नहीं बताई?

मंगलवार की रात विपक्ष एनसीपी (एसपी) के नेता जयंत पाटिल ने देवेंद्र फड़नवीस से उनके मुंबई स्थित आधिकारिक आवास 'वर्षा' पर मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसी दौर में हुई जब अटकलें लगाई जा रही कि संसद में परिसीमन विधेयक के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को सपोर्ट कर सकती है। यहां तक कि प्रदेश सरकार में शामिल होने के लिए पाला भी बदल सकती है।

वर्षा में देर रात आयोजित इस बैठक में एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल दोनों मौजूद थे। इससे दोनों एनसीपी गुटों के बीच सुलह की संभावना को बल मिला, जो 2023 में अजित पवार के एनडीए में शामिल होने के बाद बंट गए थे।

सुनेत्रा ने जताई नाराजगी: सूत्रों ने कहा कि बुधवार सुबह बैठक में सुनेत्रा पवार ने देवेंद्र फड़नवीस के आवास पर बैठक के बारे में जानकारी न दिए जाने पर नाराजगी जताई। सुनील तटकरे ने एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा को बताया कि यह पता चलने के बाद कि एनसीपी (एसपी) परिसीमन विधेयक का समर्थन कर सकती है, उन्होंने और प्रफुल्ल पटेल ने महाराष्ट्र मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

एक सूत्र के अनुसार सुनील तटकरे ने सुनेत्रा को बताया कि वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी के बीच कोई गलतफहमी न हो। एक सूत्र ने कहा, 'उसने पूछा कि दोनों में से किसी ने भी उसे इस बारे में पहले से बताया जरूरी क्यों नहीं समझा।'

मंगलवार की रात विपक्ष एनसीपी (एसपी) के नेता जयंत पाटिल ने देवेंद्र फड़नवीस से उनके मुंबई स्थित आधिकारिक आवास 'वर्षा' पर मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसी दौर में हुई जब अटकलें लगाईं जा रही कि संसद में परिसीमन विधेयक के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को सपोर्ट कर सकती है। यहां तक कि प्रदेश सरकार में शामिल होने के लिए पाला भी बदल सकती है। वर्षा में देर रात आयोजित इस बैठक में एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल दोनों मौजूद थे। इससे दोनों एनसीपी गुटों के बीच सुलह की संभावना को बल मिला, जो 2023 में अजित पवार के एनडीए में शामिल होने के बाद बंट गए थे।

हालांकि, तटकरे ने मतभेद की खबरों से इनकार किया है। उन्होंने कहा, अजित दादा (दिवंगत अजित पवार) के साथ मेरा बहुत अच्छा समीकरण था और सुनेत्रा बहिनी (भाभी) के साथ भी मेरा समीकरण वैसा ही है। गलतफहमी या किसी भी बात पर उनके मुझसे नाराज होने का कोई सवाल ही नहीं है।

बंटती दिख रही एनसीपी: एनसीपी तेजी से टूटती दिख रही है, एक गुट पवार परिवार सुनेत्रा और उनके बेटों के साथ दिख रहा है क्योंकि वे ही सत्ता में हैं और दूसरा गुट डिप्टी सीएम के बड़े बेटे पार्थ पवार के आगे आने के बाद खुद को दरकिनार महसूस कर रहा है। सुनेत्रा पवार के करीबी सूत्रों ने संकेत दिया है कि पार्थ सुनील तटकरे की जगह उत्तर महाराष्ट्र के किसी विधायक को लाना चाहते हैं, जबकि सुनील तटकरे ने खुले तौर पर कहा है कि वह राज्य में पार्टी का नेतृत्व करना जारी रखेंगे।

पार्टी ने यह भी फैसला लिया है कि वह एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सुनेत्रा की नियुक्ति को चुनौती

देने वाले अपने राष्ट्रीय सचिव सच्चिदानंद सिंह के कानूनी नोटिस का जवाब नहीं देगी। पवार परिवार के एक करीबी सूत्र ने कहा, इसका जवाब देना भी अनावश्यक है। अगर इस नोटिस को भेजने के पीछे कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा है, तो हम इसका जवाब न देने का फैसला करने के बाद इसे खुले में रखें।

एनसीपी में अंदरूनी कलह और गलतफहमी संगठन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, कई प्रमुख नियुक्तियां रुकी हुई हैं। पार्टी के पास अभी युवा और महिला विंग के लिए अध्यक्ष पद खाली हैं। रुपाली चाकणकर के इस्तीफे के बाद यह राज्य महिला आयोग के लिए एक नया अध्यक्ष नियुक्त करने में विफल रही है। जिस पर फाइनेंस पोर्टफोलियो का आश्वासन दिया गया था वह भी इस समय पहुंच से बाहर प्रतीत होता है, उस मोर्चे पर कोई विकास नहीं हुआ है। अजित पवार के पास यह विभाग था, लेकिन उनकी मौत के बाद विभाग क जिम्मेदारी मुख्यमंत्री ने संभाली। विधायकों के बीच सुगबुगाहट से यह भी संकेत मिलता है कि दोनों एनसीपी के विलय से पार्टी और मजबूत हो सकती है, लेकिन किसी ने भी आधिकारिक तौर पर इस मामले को नेतृत्व के सामने नहीं उठाया है। सूत्रों ने बताया कि जब तक पवार परिवार नेतृत्व के मुद्दे पर आम सहमति नहीं बन जाती, तब तक चीजें आगे बढ़ने की संभावना नहीं है। पवार परिवार की अगली पीढ़ी के कई सदस्य पार्थ, जय (सुनेत्रा के छोटे बेटे), रोहित (अजित के चचेरे भाई राजेंद्र के बेटे) और युगेंद्र (अजित पवार के भतीजे) ने राजनीति में एंट्री ली है, जबकि सुनेत्रा डिप्टी सीएम हैं और सुप्रिया सुले बारामती से सांसद है और पिता शरद पवार की पार्टी में एक प्रमुख व्यक्ति हैं।

अजीत पवार की मौत के बाद पार्टी में उथल-पुथल: इस साल की शुरुआत में एक प्लेन दुर्घटना में अजीत पवार की मौत के बाद से एनसीपी में उथल-पुथल मची हुई है। सुनेत्रा ने अपने बेटों के साथ मिलकर संगठन पर पकड़ बनाने की कोशिश की है। हालांकि इससे उनके और वरिष्ठ नेतृत्व के बीच मनमुटाव पैदा हो गया है। 10 मार्च 2026 को उन्होंने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर 28 जनवरी के बाद से पार्टी की ओर से किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी भी पत्राचार को अमान्य मानने के लिए कहा।

वन अपराध रोकने तीन राज्यों की साझा पहल, सीमावर्ती जंगलों में बढ़ेगी संयुक्त निगरानी

बीजापुर में वन अधिकारियों की बैठक, शिकार और लकड़ी तस्करी रोकने के लिए बनी कार्ययोजना

बीजापुर। इंद्रावती टाइगर रिजर्व से लगे छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र के सीमावर्ती जंगलों में वन अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए तीनों राज्यों ने संयुक्त रणनीति तैयार की है। बीजापुर में आयोजित अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक में अधिकारियों ने तय किया कि अब सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त गश्त बढ़ाई जाएगी और वन अपराध से जुड़ी सूचनाएं तत्काल साझा की जाएंगी। बैठक में अधिकारियों ने माना कि लकड़ी तस्करी, अवैध कटाई और वन्यजीवों के शिकार के मामलों में अपराधी कई बार राज्य सीमाओं का फायदा उठाकर बच निकलते हैं। इसे देखते हुए तीनों राज्यों के वन विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने और कार्रवाई को एक साथ संचालित करने पर सहमति बनी। इसके तहत सीमावर्ती वन चौकियों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा। साथ ही साझा डिजिटल संचार प्रणाली और व्हाट्सएप समन्वय समूह बनाया जाएगा, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित राज्यों तक पहुंच सके। बैठक में सीमावर्ती जंगलों और वन्यजीव गलियारों में नियमित संयुक्त गश्त तथा एंटी-स्नेयर वॉक चलाने का निर्णय भी लिया गया। वहीं बाघ, तेंदुआ, वन भैंसा सहित अन्य दुर्लभ वन्यजीवों के शिकार की रोकथाम के लिए विशेष एंटी-पोचिंग दलों की संयुक्त रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने पर भी सहमति बनी।

अधिकारियों ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व के वन्यजीव कॉरिडोर, प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण और संरक्षण गतिविधियों में स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया। बैठक में यह भी कहा गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रभावी संरक्षण के लिए तीनों राज्यों को एक साझा तंत्र के रूप में काम करना होगा।

तीन राज्यों के वन विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने पर सहमति।

सीमावर्ती जंगलों में संयुक्त गश्त और एंटी-स्नेयर वॉक होगी।

वन अपराधों की सूचना साझा करने के लिए डिजिटल नेटवर्क विकसित किया जाएगा।

लकड़ी तस्करी और वन्यजीव शिकार रोकने के लिए संयुक्त कार्रवाई।

वन्यजीव कॉरिडोर और जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष जोर।

ग्रेसी दुग्गा ने खड़ी की एक करोड़ रुपए की आधुनिक सूकर पालन परियोजना

बीएससी एग्रीकल्चर ग्रेजुएट युवा ने शासन की सहायता से स्वरोजगार को दी नई दिशा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में पारंपरिक आजीविका से हटकर कुछ नया करने का जज्बा अब ग्रामीण युवाओं की तकदीर बदल रहा है। जिले के विकासखंड बकावंड के किंजोली गाँव की रहने वाली ग्रेसी दुग्गा ने पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से क्षेत्र में आधुनिक सूकरपालन की एक शानदार मिसाल पेश की है, जो आज पूरे बस्तर के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। आमतौर पर आज के युवा जहाँ नौकरियों के पीछे आकर्षित होते हैं, वहीं ग्रेसी दुग्गा ने लीक से हटकर स्वरोजगार की राह चुनी। ग्रेसी ने साल 2023 में उत्तराखंड के देहरादून से बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई पूरी की है। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने आगे मास्टर्स या पीएचडी की थ्योरिटिकल पढ़ाई करने के बजाय प्रैक्टिकल नॉलेज को तवज्जो दी और सीधे फार्मिंग सेक्टर में कदम रखने का फैसला किया। ग्रेसी ने मन बनाया था कि उन्हें हॉर्टिकल्चर, सब्जी या फूलों की खेती में नहीं जाना है। बकरीपालन, कुक्कुटपालन और मछलीपालन जैसे व्यवसायों में प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा था। इसके विपरीत जनजातीय समुदाय से आने के कारण उन्होंने देखा कि स्थानीय स्तर पर सूकर की खपत बहुत अच्छा है, लेकिन लोग इसे केवल घरेलू स्तर पर ही पालते थे, कमर्शियल स्तर पर नहीं। इसी अंतर को भांपते हुए उन्होंने इसे बड़े स्तर पर व्यावसायिक रूप देने की ठानी। बस्तर क्षेत्र में सूकरपालन की इस बढ़ती मांग को देखते हुए ग्रेसी को बड़े स्तर पर आधुनिक तकनीक के साथ व्यवसाय शुरू करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता की आवश्यकता थी, जिसे पशु चिकित्सा सेवायें के संयुक्त संचालक कार्यालय ने बखूबी पूरा किया। विभाग के मार्गदर्शन में ग्रेसी ने एक व्यापक और आधुनिक सूकरपालन परियोजना तैयार की, जिसकी कुल लागत एक करोड़ 12 लाख 10 हजार रुपए (एक करोड़ बारह लाख दस हजार रुपये) थी। इस बड़े प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए उन्होंने केंद्र सरकार की नेशनल लाइव स्टॉक मिशन योजना के अंतर्गत आवेदन किया। योजना के तहत उनके एग्रीकल्चर सर्टिफिकेट और विभिन्न ट्रेनिंग सर्टिफिकेट्स के आधार पर सेंट्रल लेवल कमेटी ने उनके प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। अनुसूचित जनजाति वर्ग से इस योजना में पहली बार आवेदन करने के कारण उन्हें विभाग द्वारा संचालित इस योजना के अंतर्गत तीस लाख रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। ग्रेसी के मुताबिक यदि उन्हें यह सरकारी अनुदान न मिलता तो वह निजी स्तर पर महज 20 से 25 सूकरों के साथ बहुत छोटे पैमाने पर शुरुआत कर पातीं, लेकिन इस सब्सिडी ने उनके हौसलों को उड़ान दी और उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ अपने बड़े फार्म की शुरुआत की। पशुपालन विभाग के चिकित्सकों और कृषि वैज्ञानिकों की देखरेख में फार्म में उन्नत नस्ल के सूकर लाए गए और उनके उचित टीकाकरण व खान-पान का विशेष ध्यान रखा गया। ग्रेसी इन उन्नत नस्ल के सूकरों को विशेष तौर पर तमिलनाडु से लेकर आईं। फार्म की शुरुआत मई 2025 में कुल 110 प्रजनन योग्य सूकरों के साथ हुई थी, जिसमें 100 मादा और 10 नर सूकर शामिल थे। चूंकि वे शुरुआत में छोटे बच्चे लेकर आए थे, इसलिए उन्हें बड़ा करने और फिर ब्रीडिंग कराने में करीब एक साल का समय लग गया। इस दौरान कुछ जानवरों की मृत्यु भी हुई, लेकिन आधुनिक प्रबंधन का परिणाम यह रहा कि जून 2026 तक फार्म में 202 वयस्क प्रजनन सूकर के साथ-साथ करीब 206 पिगलेट्स (बच्चे) तैयार हो गए हैं और वर्तमान में फार्म में कुल 400 से ज्यादा सूकर मौजूद हैं, जो इस व्यवसाय की अच्छी शुरुआत के साथ उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित करती है। इस बेहतरीन शुरुआत के साथ ही ग्रेसी दुग्गा के फार्म से उन्नत नस्ल के पिगलेट्स की व्यावसायिक बिक्री भी अब शुरू हो चुकी है। इनके फार्म से रायपुर और स्थानीय (लोकल) बाजारों में सूकर सप्लाई की जा रही है। हाल ही में उन्होंने अपने फार्म से कुल 65 सूकर को 6 हजार रुपए प्रति पिगलेट की दर से बेचकर 3 लाख 90 हजार रुपये की शानदार आय प्राप्त की है। पशु चिकित्सा विभाग के निरंतर सहयोग, समय पर मिले शासन का अनुदान और ग्रेसी दुग्गा की कड़ी मेहनत व शैक्षणिक सूझबूझ ने इस फार्म को पूरे क्षेत्र के लिए एक मिसाल बना दिया है। आज ग्रेसी न केवल खुद आत्मनिर्भर बनी हैं बल्कि बस्तर के अन्य पढ़े-लिखे युवाओं को भी कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में नए स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

अधिक मुनाफे का झांसा देकर 2 लाख की ठगी करने वाला आरोपी रायपुर से गिरफ्तार

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी कर मोबाइल बंद कर फरार हुआ था आरोपी

कांकेर। भानुप्रतापपुर उत्तर बस्तर कांकेर व्यवसाय में निवेश पर अधिक लाभ दिलाने का लालच देकर 2 लाख से अधिक रुपये की धोखाधड़ी करने वाले शातिर आरोपी को भानुप्रतापपुर पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ भानुप्रतापपुर थाने में धारा दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने थाना भानुप्रतापपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी प्रीतेश कुमार मोटघरे ने अपने व्यवसाय में निवेश करने और उस पर भारी मुनाफा दिलाने का झांसा दिया था। झांसे में आकर प्रार्थी ने विभिन्न ऑनलाइन ट्रांजेक्शनों के माध्यम से आरोपी को कुल 2,00,018 (दो लाख अठारह रुपये) दे दिए। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद जब प्रार्थी ने अपने रुपये वापस मांगे, तो आरोपी अपना मोबाइल फोन बंद कर निवासी स्थान से फरार हो गया। शिकायत के आधार पर भानुप्रतापपुर पुलिस ने 17 जुलाई 2026 को मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शेरबहादुर सिंह ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों से रायपुर से धराया आरोपी विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने साइबर व तकनीकी साक्ष्यों तथा मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। आरोपी घटना के बाद से लगातार अपना ठिकाना बदलकर छिप रहा था। पुलिस की विशेष टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को रायपुर क्षेत्र से हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपी प्रीतेश कुमार मोटघरे (39 वर्ष), पिता - रमेश कुमार मोटघरेमूल निवासी हाउसिंग बोर्ड, भिलाई, जिला दुर्ग वर्तमान पता अटल आवास रोड, आमानाका, रायपुर (छ.ग.)कार्रवाई में शामिल पुलिस टीमः इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रामेश्वर प्रसाद देशमुख के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक शिवचरण मरकाम, आरक्षक राकेश मरकाम , आरक्षक टोमन साहू एवं आरक्षक अजय मंडावी की सराहनीय भूमिका रही।

सूरजगढ़ माइंस के ओवरलोड डंपरों के खिलाफ फूटा जनाक्रोश, परलकोट जन कल्याण संस्था ने खोला मोर्चा

कांकेर। कांकेर जिला के पखांजूर क्षेत्र में सूरजगढ़ माइंस से निकलने वाले भारी वाहनों के अनियंत्रित संचालन को लेकर स्थानीय निवासियों का विरोध एक बार फिर सड़कों पर देखने को मिला। सोमवार को 'परलकोट जन कल्याण संस्था' के बैनर तले बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया तथा इस गंभीर समस्या पर प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग उठाई। सड़कों और पुल-पुलियों की हालत हो रही जर्जर इस पूरे विवाद का मुख्य कारण महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा से होकर बांदे-पखांजूर-कापसी मार्ग पर रोजाना गुजरने वाले ओवरलोड भारी डंपर हैं। स्थानीय निवासियों और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अत्यधिक भार लेकर चलने वाले इन वाहनों के कारण पहले से खराब सड़कों की स्थिति और विकराल होती जा रही है। इसके साथ ही, मार्ग में स्थित विभिन्न पुल-पुलियों पर क्षमता से अधिक भार पड़ने से उनके क्षतिग्रस्त होने और टूटने का गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

हादसों की आशंका और धूल-प्रदूषण से लोग बेहाल- सड़क मार्ग पर लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे आसपास के क्षेत्रवासियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा तेज रफ्तार और ओवरलोडेड डंपरों के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे स्कूली बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कड़ी कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी प्रदर्शन के दौरान परलकोट जन कल्याण संस्था ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि भारी वाहनों के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ ओवरलोडिंग पर तुरंत सख्त रोक लगाई जाए। संस्था ने क्षेत्रवासियों की सुरक्षा और जर्जर सड़कों की समस्या का स्थायी समाधान निकालने का आग्रह किया है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द ही इस दिशा में ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में क्षेत्रवासी आंदोलन को और अधिक तेज करने के लिए बाध्य होंगे।

जंगल में बिछाया था मौत का जाल, सुरक्षा बलों ने 5 किलो का IED किया डिफ्यूज

कांकेर पुलिस-बीएसएफका संयुक्त अभियान सफल

कांकेर। कांकेर 21 जुलाई नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे लगातार सर्चिंग अभियान के तहत कांकेर पुलिस, बीएसएफ और बीडीएस टीम को बड़ी सफलता मिली है। थाना छोटेबेठिया क्षेत्र के ग्राम ब्रेहबेड़ा के जंगल-पहाड़ी इलाके से संयुक्त टीम ने करीब 5 किलोग्राम वजनी प्रेशर कुकर हुश्वश्च बरामद किया। बीडीएस टीम ने मौके पर ही विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया, जिससे किसी भी संभावित बड़ी घटना को टाल दिया गया। यह कार्रवाई बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी., डीआईजी दीपक तिवारी, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा तथा बीएसएफ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान की गई। पुलिस के अनुसार, 21 जुलाई को थाना छोटेबेठिया क्षेत्र के जंगल-पहाड़ी इलाके में सर्चिंग अभियान के दौरान जिला पुलिस बल, बीएसएफ एवं बीडीएस की संयुक्त टीम को संदिग्ध वस्तु मिली। जांच करने पर वह प्रेशर कुकर हुश्वश्च निकला। इसके बाद बीडीएस टीम ने सतर्कता बरतते हुए विस्फोटक को मौके पर ही डिफ्यूज कर नष्ट कर दिया। पुलिस ने बताया कि नक्सल प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों का संयुक्त अभियान लगातार जारी रहेगा। क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सघन सर्चिंग अभियान आगे भी जारी रखा जाएगा

तेंदूपत्ता नीलामी में बीजापुर ने बनाया नया रिकॉर्ड, वर्षों बाद मिली सबसे ऊंची दर

45 में से 36 लॉटों पर लगी बोली, चार लॉट 10 हजार रुपए प्रति मानक बोरा से अधिक में बिके, संग्राहकों को मिलेगा बोनस का लाभ

बीजापुर। तेंदूपत्ता उत्पादन के लिए प्रदेशभर में पहचान रखने वाले बीजापुर जिले ने इस वर्ष नीलामी में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विभागीय संग्रहित तेंदूपत्ता को कई वर्षों में सबसे अधिक कीमत मिलने से जिले की वन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वन विभाग के अनुसार गुणवत्तापूर्ण संग्रहण और बेहतर प्रबंधन के कारण नीलामी में रिकॉर्ड दर प्राप्त हुई है। इस वर्ष जिला यूनियन की 28 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से 45 तेंदूपत्ता लॉटों का संग्रहण कराया गया। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ की ओर से आयोजित निविदा प्रक्रिया में 45 में से 36 लॉटों के लिए बोली प्राप्त हुई। व्यापारियों की सक्रिय भागीदारी को बीजापुर के तेंदूपत्ता की गुणवत्ता और विभागीय व्यवस्था पर बढ़ते भरोसे का संकेत माना जा रहा है। नीलामी के परिणाम भी उत्साहजनक रहे। चार लॉटों को 10 हजार रुपए प्रति मानक बोरा से अधिक की दर मिली। इसके अलावा आठ लॉट नौ हजार रुपए से अधिक, चार लॉट आठ हजार रुपए से अधिक, दस लॉट सात हजार रुपए से अधिक तथा दस लॉट छह हजार रुपए तक प्रति मानक बोरा की दर पर बिके। यह पिछले कई वर्षों में जिले को मिला सर्वाधिक मूल्य माना जा रहा है।वन विभाग का कहना है कि संग्रहण, उपचारण, भंडारण और नीलामी की पूरी प्रक्रिया में गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया। इसका लाभ सीधे तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को मिलेगा। संग्रहण पारिश्रमिक के अलावा उन्हें बोनस मिलने की संभावना बढ़ी है। साथ ही लघु वनोपज संघ की बीमा एवं छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं का लाभ भी मिलता रहेगा। वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि यह उपलब्धि प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों, स्थानीय संग्राहकों और विभागीय अमले के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। इससे बीजापुर ने एक बार फिर साबित किया है कि गुणवत्तापूर्ण तेंदूपत्ता संग्रहण और पारदर्शी व्यवस्था के जरिए वन आधारित आजीविका को नई दिशा दी जा सकती है।

28 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों ने कराया संग्रहण।

45 तेंदूपत्ता लॉट तैयार, 36 के लिए मिली निविदाएं।

4 लॉटों को 10 हजार रुपए प्रति मानक बोरा से अधिक की रिकॉर्ड दर।

हजारों संग्राहक परिवारों को बोनस मिलने की बढ़ी संभावना।

विकास, संगठन और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से हुई चर्चा, प्रदेश के समग्र विकास को लेकर साझा किया गया विजन

भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से हुई महत्वपूर्ण भेंट

कांकेर। राजधानी रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के साथ आत्मीय भेंट एवं सौजन्य मुलाकात संपन्न हुई। इस अवसर पर प्रदेश के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, संगठनात्मक गतिविधियों तथा आम जनता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुलाकात का वातावरण अत्यंत सौहार्दपूर्ण रहा, जहां प्रदेश के विकास को नई गति देने और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया गया। बैठक के दौरान प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अधोसंरचना के विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए संचालित योजनाओं की प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आगामी समय में जनहित से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में सकारात्मक चर्चा हुई।जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोरभेंट वार्ता के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जनभागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और समाज के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संगठन की मजबूती और जनसंपर्क अभियान पर हुई चर्चा- बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं की भूमिका, बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता तथा आम जनता के बीच सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने को लेकर विभिन्न सुझाव साझा किए गए।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं में होती है। जब कार्यकर्ता समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और उनके समाधान के लिए प्रयास करते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने जनसंपर्क अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग से निरंतर संवाद बनाए रखने पर बल दिया।

प्रदेश के विकास को नई दिशा देने पर बनी सहमति-भेंट के दौरान प्रदेश के औद्योगिक विकास, कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर, महिला स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा देने तथा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचारों पर भी चर्चा की गई।बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि विकास की गति को और तेज करने के लिए सरकार और समाज के बीच समन्वय को मजबूत करना आवश्यक है। विकास तभी सार्थक होगा जब उसका लाभ प्रत्येक गांव, कस्बे और शहर तक समान रूप से पहुंचे तथा आम नागरिक अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस कर सके।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई मुलाकात-भाजपा कार्यालय में हुई यह भेंट पूरी तरह सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। बैठक के समापन पर प्रदेश की निरंतर प्रगति, सामाजिक समरसता, सुशासन और जनसेवा के संकल्प को दोहराया गया। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार के नेतृत्व में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा जनहित की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंचेगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु काउंसलिंग 5 अगस्त तक

बिलासपुर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए चयनित विद्यार्थियों की काउंसलिंग 5 अगस्त 2026 तक आयोजित की जाएगी। प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विभागीय वेबसाइट httpsÑ//eklavya.cg.nic.in/ पर काउंसलिंग हेतु पात्र छात्र-छात्राओं की सूची एवं तिथियां प्रदर्शित कर दी गई हैं। काउंसलिंग चयनित विद्यार्थियों को आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रतिदिन सवेरे 11 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा। इनमें कक्षा 8वीं की प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण अंकसूची, अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र, नक्सल पीड़ित प्रमाण पत्र (जहां लागू हो), अल्पसंख्यक वर्ग संबंधी सत्यापन प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति प्रमाण पत्र तथा विशेष श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए संबंधित प्रमाण पत्र शामिल हैं। काउंसलिंग के बाद प्रवेश के लिए पात्र पाए जाने वाले विद्यार्थियों को तीन दिनों के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी से काउंटर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) तथा जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकल सेल जांच प्रमाण पत्र संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में जमा करना होगा।

बिलासपुर में किन्नर की हत्या से सनसनीः मारपीट के बाद गला दबा कर हत्या, सड़क किनारे मिला शव

बिलासपुर। जिले के सकरी थाना क्षेत्र के जोंकी गांव में एक किन्नर की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक की पहचान तनु खान किन्नर के रूप में हुई है। हत्या की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तनु खान के साथ पहले मारपीट की गई और उसके बाद कथित तौर पर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद शव को सड़क किनारे फेंक दिया गया, जहां लोगों की नजर पड़ने पर घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मामले में शुरुआती तौर पर हत्या का संदेह मृतक के कुछ साथी किन्नरों पर जताया जा रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि हत्या की असली वजह और इसमें शामिल आरोपियों की भूमिका जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। सूचना मिलते ही सकरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी संभावित एंगल पर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद हत्या के कारणों और आरोपियों के संबंध में विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

बिलासपुर में अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़, 6 हुक्का पॉट समेत भारी मात्रा में सामान जब्त

बिलासपुर। शहर के व्यापार विहार इलाके में सिविल लाइन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से 6 हुक्का पॉट, 10 हुक्का पाइप और हुक्का फ्लेवर समेत बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान हुक्का बार संचालक पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि व्यापार विहार में सेंट जेवियर्स स्कूल के पास एक मकान की तीसरी मंजिल पर अवैध रूप से हुक्का बार संचालित किया जा रहा है। सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर रेड कार्रवाई की। पुलिस के पहुंचते ही हुक्का पी रहे ग्राहक इधर-उधर भाग गए। वहीं, मौके पर मौजूद हुक्का बार संचालक श्रीकांत प्रजापति, निवासी कुम्हारपारा जरहाभाठा, थाना सिविल लाइन और सोनू दास मानिकपुरी, निवासी फंदवानी, जिला मुंगेली, पुलिस को देखकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 6 नग कांच के हुक्का पॉट, 10 हुक्का पाइप, जेल फ्लेवर के 3 पैकेट, 2 नग स्मोकिंग सिरना, 10 हुक्का टिप्स और 1 स्टील की चिमटी जब्त की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सिगरेट और तंबाकू युक्त फ्लेवर का इस्तेमाल कर ग्राहकों को प्रति घंटे के हिसाब से रुपये लेकर हुक्का पिलाते थे और इससे अवैध आर्थिक लाभ कमा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।

महतारी सदन से महिलाओं को मिल रहा सशक्तिकरण का नया संबल

मास्टर ट्रेनर बबीता गुप्ता बदल रहीं ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

शासन की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रहीं ग्रामीण महिलाएं

बिलासपुर। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित ''महतारी सदन'' आज महिलाओं के लिए विश्वास और सहारे का केंद्र बनता जा रहा है। विकासखंड बिल्हा के ग्राम पंचायत सेमरताल स्थित महतारी सदन में ज्ञान सुधा संकुल संगठन सेमरताल के अंतर्गत राधाकृष्ण स्व सहायता समूह की सदस्य ''श्रीमती बबीता गुप्ता'' मास्टर ट्रेनर के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। वे न केवल महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ रही हैं, बल्कि घरेलू हिंसा, सामाजिक उपेक्षा और आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य भी कर रही हैं। श्रीमती बबीता गुप्ता नियमित रूप से गांव के विभिन्न मोहल्लों और घरों में जाकर उन महिलाओं से मुलाकात करती हैं जो किसी कारणवश शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रही हैं। बातचीत के माध्यम से वे उनकी समस्याओं को समझती हैं और उन्हें संबंधित विभागों एवं योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करती हैं। कई महिलाओं को शासन की विभिन्न हितग्राही योजनाओं की जानकारी नहीं थी, जिसके कारण वे लंबे समय से लाभ से वंचित थीं। बबीता गुप्ता ने ऐसी महिलाओं को आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने, आवेदन प्रक्रिया समझाने तथा संबंधित कार्यालयों तक पहुंच बनाने में सहयोग प्रदान किया। महतारी सदन के माध्यम से घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रीमती गुप्ता ऐसी महिलाओं की काउंसलिंग करती हैं और उनका मनोबल बढ़ाती हैं। उनके सतत प्रयासों से अनेक महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुई हैं। श्रीमती बबीता गुप्ता महिलाओं को स्व सहायता समूहों से जोड़कर सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण, अगरबत्ती एवं मसाला निर्माण तथा अन्य आजीविका आधारित गतिविधियों के लिए प्रेरित करती हैं। इससे कई महिलाओं ने स्वरोजगार शुरू किया है और अपने परिवार की आय में योगदान देना प्रारंभ किया है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के बाद महिलाओं के आत्मसम्मान और सामाजिक भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गांव की महिलाओं का कहना है कि पहले उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ कैसे प्राप्त किया जाए। महतारी सदन और श्रीमती बबीता गुप्ता के मार्गदर्शन से उन्हें न केवल योजनाओं की जानकारी मिली, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्राप्त हुआ। आज वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। उल्लेखनीय है कि महतारी सदन से जुड़े प्रशिक्षित कार्यकर्ता एवं ट्रेनर गांव-गांव और घर-घर जाकर महिलाओं से संपर्क करते हैं। वे शासकीय योजनाओं से वंचित महिलाओं की पहचान करते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और उन्हें संबंधित विभागों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

समाजसेवी, रामायण के प्रख्यात टीकाकार एवं देहदान संकल्पी गणेश दास मानिकपुरी का निधन

बिलासपुर। प्रख्यात समाजसेविका स्वर्गीय श्रीमती अम्बा देवी के पति तथा जनसंपर्क अधिकारी विजय मानिकपुरी के पूज्य पिताजी, दोन्दे खुर्द (रायपुर) निवासी 80 वर्षीय श्री गणेश दास मानिकपुरी का बुधवार प्रातः आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से परिवार, शुभचिंतकों तथा सामाजिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में रुचि रखने वालों ने शोक व्याप्त की है। श्री गणेश दास मानिकपुरी रामायण के प्रख्यात टीकाकार, गहन अध्येता एवं चिंतक थे। वे छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे, अविभाजित मध्यप्रदेश में कर्मचारी नेता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखते थे तथा इंटक के महामंत्री के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा चुके थे। स्पष्टवादिता, निर्भीक व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण वे समाज में अत्यंत सम्मानित थे। धार्मिक ग्रंथों, समाचार-पत्रों और साहित्यिक पुस्तकों के अध्ययन में उनकी विशेष रुचि थी। ग्रामीण विकास, सामाजिक जागरूकता और जनकल्याण उनके चिंतन के प्रमुख विषय रहे। वे आजीवन सादा एवं शाकाहारी जीवन के पक्षधर रहे तथा सभी प्रकार के नशे के कट्टर विरोधी थे। उन्होंने समाज में नशामुक्ति के लिए अनेक जनजागरूकता अभियान चलाए। इसके साथ ही वे जातिवाद, अंधविश्वास और सामाजिक आडंबर के मुखर विरोधी रहे तथा सामाजिक समरसता और वैज्ञानिक सोच के समर्थक थे। मानव सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जीवन के अंतिम चरण तक बनी रही। उन्होंने जीते-जी अपना पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज, रायपुर को देहदान करने का संकल्प लिया था और इसके लिए विधिवत सहमति-पत्र भी भर दिया था। उनका यह प्रेरणादायी निर्णय परिवार, समाज और नई पीढ़ी के लिए सेवा, विज्ञान और मानवता का अनुकरणीय संदेश छोड़ गया है। श्री गणेश दास मानिकपुरी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार, अनेक शुभचिंतक और समृद्ध सामाजिक- सांस्कृतिक विरासत छोड़ गए हैं। उनके निधन से समाज ने एक विद्वान, कर्मठ, सिद्धांतनिष्ठ और स्पष्टवादी व्यक्तित्व को खो दिया है। उनकी सादगी, सामाजिक प्रतिबद्धता और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा

बिलासपुर मंडल में प्रथम हेल्थ केयर कमेटी की बैठक संपन्न

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गठित हेल्थ केयर कमेटी की प्रथम बैठक अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्री जे. एस. मीना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ शेख सिराजुद्दीन, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती पूनम चौधरी, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अंशुमान मिश्रा, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) श्री अरविंद विश्वकर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं मान्यता प्राप्त स्श्चह्रक्क्ष्ह्ल के समन्वयक श्री विजय अग्निहोत्री तथा समिति के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर, जागरूकता अभियान एवं विशेष चिकित्सा शिविरों के आयोजन की जानकारी दी। इसके पश्चात रेलवे अस्पतालों एवं स्वास्थ्य इकाइयों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाइयों की नियमित आपूर्ति, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा कर्मचारी हित से जुड़े विभिन्न सुझावों की समीक्षा की गई। अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. एस. मीना ने अधिकारियों को कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा चिकित्सा संबंधी शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सभी उपस्थित अधिकारियों ने हेल्थ केयर सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं कर्मचारी हितैषी बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

कोरबा मेडिकल अस्पताल की ओपीडी में घुसा कोबरा, डॉक्टर की टेबल के नीचे फन फैलाए बैठा मिला

कोरबा। शहर के मेडिकल अस्पताल में मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ओपीडी में डॉक्टर के कंप्यूटर टेबल के नीचे एक जहरीला कोबरा सांप फन फैलाए बैठा मिला। सांप को देखते ही मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलने पर रेप्टाइल केयर एंड रेस्क्यूअर सोसाइटी (ऋष्टक्रऋ) की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षित रेस्क्यू कर कोबरा को जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह डॉक्टर की टेबल के नीचे से फुफकारने की आवाज सुनाई दी। कर्मचारियों ने जब टेबल के नीचे देखा तो वहां एक कोबरा फन फैलाकर बैठा हुआ था। जहरीले सांप को देखते ही ओपीडी में मौजूद मरीजों और स्टाफमें दहशत फैल गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल कर्मचारियों ने तुरंत रेप्टाइल केयर एंड रेस्क्यूअर सोसाइटी (ऋष्टक्रऋ) के अध्यक्ष अविनाश यादव को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक कोबरा को पकड़कर सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद टीम ने कोबरा को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया। समय रहते सांप का रेस्क्यू हो जाने से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और अस्पताल में मौजूद मरीजों व कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। अस्पताल प्रबंधन ने भी रेस्क्यू टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

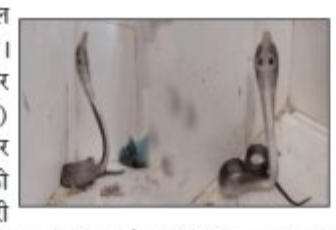

सभी संचालन क्षेत्रों में एक ही दिन में रिकॉर्ड 3 लाख से अधिक पौधे लगाने जा रहा है एसईसीएल

- कोल इंडिया के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अभियान के तहत एसईसीएल ने बिलासपुर में एक ही दिन में 15 हजार पौधों का वृहद् वृक्षारोपण
- एसईसीएल द्वारा बिलासपुर शहर में पहली बार मियावाकी पद्धति से वन विकास की पहल

बिलासपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण की दिशा में कोल ईंडिया लिमिटेड द्वारा 21 जुलाई 2026 को एक ही दिन में सर्वाधिक पौधारोपण कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने के राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने आज बिलासपुर के कोनी स्थित नवीन कमिश्नर कार्यालय के पीछे 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से 15,000 पौधों का वृहद् वृक्षारोपण किया। यह परियोजना संभवतः बिलासपुर शहर की पहली मियावाकी वन परियोजना है, जिसे एसईसीएल द्वारा विकसित किया जा रहा है। मियावाकी तकनीक के माध्यम से विकसित होने वाला यह सघन शहरी वन आने वाले वर्षों में जैव विविधता के संवर्धन, हरित आवरण में वृद्धि तथा स्थानीय पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वृक्षारोपण कार्यक्रम में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन, बिलासपुर संभाग के आयुक्त श्री सुनील कुमार जैन, एसईसीएल के निदेशक (एचआर) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, सीवीओ श्री हिमांशु जैन, निदेशक तकनीकी (यो./परि.) श्री रमेश चन्द्र महापात्र, कोल ईंडिया लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक श्री के. राजशेखर, महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री संजय सिन्हा, सहित कंपनी के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण तथा जनभागीदारी के महत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने कहा, पर्यावरण संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। मियावाकी पद्धति से विकसित किए जा रहे ऐसे सघन वन न केवल हरित आवरण बढ़ाने में सहायक होंगे, बल्कि जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राजस्व कार्यों में लाएं गति, समय-सीमा में करें प्रकरणों का निराकरण-कलेक्टर संजय अग्रवाल

- भू-अर्जन, किसान पंजीयन एवं स्वामित्व योजना की प्रगति की समीक्षा
- बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुल-पुलियों का सर्वे कर कार्ययोजना बनाने के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग के विभिन्न प्रकरणों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व सेवाओं का लाभ आम नागरिकों को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से मिलना चाहिए। बैठक में नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल परियोजनाओं, आपसी सहमति से भूमि क्रय एवं भू-अर्जन अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि भू-अर्जन से जुड़े सभी मामलों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा विधिवत भू-अर्जन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए। निर्माण एजेंसियों की समीक्षा के दौरान

कलेक्टर ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों एवं पुल-पुलियों का सर्वे कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त संरचनाओं के सुधार एवं पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि किसानों का पंजीयन एक जुलाई से प्रारंभ हो चुका है तथा एग्रीस्टैक के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा है। उन्होंने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आरईओ एवं तहसीलदारों को समन्वय बनाकर पंजीयन कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के पंजीयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। एफआरए (वनाधिकार) पट्टों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों को शीघ्र पट्टों का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि यह शासन की प्राथमिकता वाली योजना है, इसलिए इसके सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। बैठक में कलेक्टर ने नक्शा बंटांकन, आधार सीडिंग, डिजिटल हस्ताक्षरित खसरा, अभिलेख शुद्धता, अविवादित एवं विवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा की तथा सभी मामलों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), निर्माण एजेंसी के अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

एचडीएफसी इर्गो ने छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बिलासपुर। भारत में प्राइवेट सेक्टर की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए बालोद, बलौदाबाजार, बलरामपुर, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, दुर्ग, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा और सुकमा जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ भी जारी कर दी गई हैं। पीएमएफबीवाई + ए1: जी18 खरीफ2026 जिले और फसल के अनुसार बीमा की राशि और किसान के लिए प्रीमियम की दर, प्रति हेक्टेयर। पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, भूस्खलन, चक्रवात, तूफान, ओलावृष्टि, सैलाब, कीट, बीमारियों आदि जैसे कई बाहरी प्रकोपों से फसल को होने वाले नुकसान पर बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर उसका संचालन करेगी।

हानिकारक हो सकता है इन चीजों का सेवन

बाजार से मिलने वाली कई चीजें ऐसी है, जिसमें मिलावट की जाती है। आप बाजार में मिलने वाली इन चीजों को सेफ समझ कर खरीद तो लेते है लेकिन ये चीजें आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। अक्सर आप बाजार से मिलने वाली चीजों का लेबल और स्वाद देख कर खरीद लेते है पर स्वादिष्ट लगने वाली यह चीजें स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है। इन चीजों का सेवन आपके लिए कई बीमारियों का कारण बन सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताने जा रहें है जिसका सेवन सेहत के लिए खतरनाक हो सकता हैं।

आर्टिफिशियल स्वीटनर्स

कॉफी या दूसरी चीजों के लिए इस्तेमाल होनी वाली आर्टिफिशियल शुगर पेट खराब और डायबिटीज का कारण बन सकती है। इसके अलावा इसका सेवन मोटापा, ब्रेन ट्यूमर और ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनता है।

डिब्बा बंद टमाटर

डिब्बा बंद टमाटरों को पैक करने के लिए उनके बॉक्स में बिस्फेनोल-ए नामक रसायनिक तत्व का इस्तेमाल किया जाता है। यह तत्व शरीर में पहुंच कर तनाव, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

मिलावटी मक्खन

आजकल हर चीज में मिलावट आम देखने को मिलती है। ऐसे ही बाजार से मिलने वाले मिलावटी मक्खन में भी कोलेस्ट्रॉल, केमिकल्स और फैट पाया जाता है, जोकि टाइप 2 डायबिटीज का करण बन सकता है।

पॉपकॉर्न

बाजार से मिलने वाले पॉपकॉर्न को बनाने के लिए मिलावटी मक्खन का इस्तेमाल किया है, जोकि लंग्स प्रॉब्लम का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा इसका सेवन दिमागी, सांस और फेफड़ों की समस्याएं पैदा करता है।

प्रोस्सेड मीट

मार्किट से मिलने वाला हॉट डॉग, सलामी मीट, रेड मीट या दूसरी चीजों में इस्तेमाल होने वाला प्रोस्सेड मीट भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। इसका रंग ज्यादा लाल करने के लिए सोडियम, नाइट्रेट्स और नाइट्रेट्स जैसे रासायनिक तत्व मिक्स किए जाते है, जो कैंसर का कारण बनते है।

टेबल सॉल्ट

ज्यादातर रेस्तरां में मिलने वाला टेबल सॉल्ट से जरूरी मिनरल्स निकाल कर इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह के नमक से पोटेशियम आयोडिन डाला जाता है जिससे खाने का रंग बदल जाता है।

वेजिटेबल ऑयल

वेजिटेबल ऑयल को बनाने के लिए ओमेगा -6 पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड नामक जैविक तत्व का इस्तेमाल किया जाता है। यह तत्व शरीर में जाकर बीमारियों का कारण बनता है।

अगर आपको भी है बैठे-बैठे पैर हिलाने की आदत तो हो जाएं सावधान

समय फ्री होने पर या खेल-खेल में लोग अक्सर पैर हिलाने लगते हैं। धीरे-धीरे ये खेल उनकी आदत में बदल जाता है। कुछ लोग को तो यह आदत इस हद तक लग जाती है कि वो लेट कर भी पैर हिलाते रहते हैं। एक रिर्सच के अनुसार 10 फीसदी लोगों को यह आदत होती ही है। ज्यादातर यह लक्षण 35 साल से अधिक लोगों में पाए जाते हैं लेकिन आजकल इससे कम उम्र के लोगों को भी यह आदत हो जाती है। अगर आपको भी बैठ या लेट कर पैर हिलाने की आदत है तो जरा सावधान हो जाइए कहीं पैर हिलाने की ये आदत आपके लिए खतरा न बन जाए। आपके पैर हिलाने की यह आदत रेस्टलेस सिंड्रोम के लक्षण भी हो सकते हैं। आइए जानते है इसके बारे में कुछ और बातें।

क्या होता है रेस्टलेस सिंड्रोम

यह बीमारी आयरन की कमी के कारण होती है। ज्यादातर 35 साल से अधिक उम्र के लोगों में यह बीमारी पाई जाती है लेकिन आजकल पैर हिलाने की आदत तो आजकल इससे कम उम्र के लोगों में भी होती है। नर्वस सिस्टम से जुड़े इस रोग में डोपामाइन हार्मोन श्रावित होने के कारण ऐसा बार-बार करने का मन करता है। इस समस्या को स्लीप डिसऑर्डर भी कहा जाता है। नींद पूरी न होने पर इंसान थका हुआ महसूस करता है। इसके लक्षण दिखने पर आपको तुरंत ब्लड टेस्ट करवाना चाहिए।

रिसर्च के अनुसार यह है कारण

यह रोग ज्यादातर आयरन की कमी और नींद पूरी न होने के कारण होता है। इसके अलावा यह रोग किडनी, पार्किंसस से पीड़ित मरीजों, शुगर, बीपी, हृदय और महिलाओं में डिलीवरी के आखिरी दिनों में हार्मोनल बदलाव के कारण भी हो सकता हैं।

इलाज है संभव?

यह बीमारी ज्यादातर नींद पूरी न होने और आयरन की कमी के कारण होती है। इसलिए इस बीमारी में आयरन और अन्य दवाएं दी जाती है, जिसे सोने से दो घंटे पहले लेना होता है। यह दवाएं नींद की बीमारी को दूर करके स्थिति को सामान्य करती है।

घरेलू नुस्खे

दवाओं के अलावा इस बीमारी को दूर करने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खें भी कर सकते हैं। अपनी डाइट में आयरनयुक्त चीजें जैसे पालक, सरसों का साग, चुकंदर, केला आदि लें। इसके अलावा रोजाना व्यायाम, हॉट एंड कोल्ड बाथ और वाइब्रेटिंग पैड पर पैर रखने से इस परेशानी से छुटकारा मिलता है।

इन चीजों से रहें दूर

रात को भोजन के बाद चाय-कॉफी लेने से बचें। इसके अलावा सोने से पहले टीवी, स्मार्टफोन, गैजेट्स और लैपटॉप का इस्तेमाल न करें। रात में हल्का खाना लें ताकि नींद अच्छी आए। इसके अलावा शराब और स्मोकिंग से भी दूरी बनाएं।

बिगड़ते लाइफस्टाइल के साथ-साथ लोगों में गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी आज हर 5 में से 3 व्यक्ति में देखने को मिलती है जो धीरे-धीरे गंभीरता का रूप लेते जा रही है। ज्यादातर कैंसर की समस्याएं महिलाओं में देखने को मिलती है।

ओवेरियन कैंसर शुरुआती लक्षणों को पहचान कर, ऐसे करें इलाज

हार्मोन असंतुलित, तनाव और खराब खान-पान के कारंण महिलाओं में ओवरियरन कैंसर का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। एक रिसर्च के अनुसार महिलाओं को इसकी जानकारी न होने के कारण वो इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आ जाती है। इसके शुरूआती लक्षणों को पहचान कर इस बीमारी को दूर किया जा सकता है लेकिन समय पर इसका इलाज न होने पर यह गंभीर रूप भी ले सकती है। आज हम आपको इस बीमारी के कुछ लक्षण बताएंगे जिसे पहचान कर आप इस बीमारी से सुरक्षित रह सकती है।

क्या है ओवेरियन या यूटेरस कैंसर

ओवेरियन यानि यूटेरस कैंसर गर्भाशय में होने वाला कैंसर है। इसके कारण ओवरी में छोटे-छोटे सिस्ट बन जाते हैं, जोकि कैंसर का रूप ले लेते हैं। इस बीमारी से गर्भधारण में समस्या भी होती है, क्योंकि ओवरियरन कैंसर होने पर गर्भाशय और इसमें मौजूद ट्यूब्स भी नष्ट होने लगती हैं। हालांकि इसके लक्षणों को पहचान कर इसका इलाज किया जा सकता हैं।

ओवेरियन कैंसर के लक्षण

• बार-बार यूरिन आना • डायरिया या कब्ज • नियमित रूप से पीरियड्स न होना • वैजाइनल ब्लीडिंग होना • गर्भधारण के दौरान समस्या • बार-बार पेट में दर्द और भारीपन • गैस और दस्त लगना

इसका उपचार

महिलाओं में ओवरियन कैंसर का उपचार उसकी स्टेज पर निर्भर करता है। कैंसर के उपचार के लिए सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का प्रयोग किया जाता है लेकिन यह सारे उपचार बीमारी की अवस्था पर ही निर्भर करते हैं।

इन घरेलू तरीकों से करें इलाज

अलसी के बीज

अलसी के बीजों में मौजूद फाइबर कैंसर जैसी बीमारियों से लड़ने में मदद करता हैं। इसके अलावा आप इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से भी कैंसर का खतरा कम होता है।

अदरक

औषधिए गुणों से भरपूर अदरक का सेवन कई बीमारियों को दूर करता है। हाल में एक कैंसर रिसर्च एसोसिएशन ने बताया कि रोजाना अदरक पाउडर का सेवन ओवेरियन कैंसर को जड़ से खत्म कर देता है।

अजवायन तेल

अजवायन तेल फेफड़े, डिम्बग्रंथि, ओवेरियन और स्तन कैंसर की कोशिकाओं को मारने में मदद करता है। भोजन में इसका इस्तेमाल कैंसर के खतरे से बचाता है।

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद हैं ये पौधे, घर पर लगाएं

आजकल सेहत के हिसाब से देखा जाए तो हर 5 में तीसरा शख्स डायबिटीज यानी की शुगर का मरीज है। इन मरीजों को अपने खान-पान का खास ख्याल रखना पड़ता है क्योंकि गलत खान-पान इनकी हालत को ओर भी खराब कर सकता है। अगर यह आऊट ऑफ कंट्रोल हो जाए तो शुगर के लिए इंसुलिन का इस्तेमाल करना पड़ता है लेकिन अगर आप अपने आहार में कुछ ऐसे चीजों को शामिल करेंगे जो डायबिटीक प्रॉब्लम को दूर करने में सहायक होती हैं तो आप इस खतरनाक बीमारी से छुटकारा भी पा सकते हैं। जैसे नीम के पते खाना, करेला का जूस पीना, जामुन की गुठली का चूर्ण इन लोगों के लिए फायदेमंद हैं। इसके अलावा कुछ पौधे भी हैं जो इस रोग से मुक्ति दिलाने में काम करते हैं। चलिए, आज हम आपको ऐसे ही पौधे के बारे में बताते हैं जो घर की सुंदरता के साथ आपको निरोग भी रखते हैं।

तुलसी

तुलसी को हमारे हिंदू धर्म में पूजा जाता है और यह आपके सबके आंगन में सजी भी दिखेगी। लेकिन सिर्फ डैकोरेशन ही नहीं बलकि सेहत के लिहाज से भी यह काफी फायदेमंद हैं। सर्दियों में अगर आप तुलसी की चाय पीएंगे तो ठंड से बचे रहेंगे। इसमें तेज एस्ट्रोन वाला स्वाद भरपूर होता है जो तनाव को दूर रखता हैं। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी अच्छी हैं क्योंकि इसे ब्लड में शुगर का लेवल सही रहता है।

पुदीना

पुदीने का पौधा, हाई और लो दोनों तरह के ब्लडप्रेशर को कंट्रोल में रखता है। पुदीने की चटनी और इसका जूस डायबिटीज लोगों के लिए फायदेमंद हैं इसलिए घर में इसे जरूर लगा कर रखें।

लहसुन

लहसुन के गुणों के बारे में कौन नहीं जानता। ये अपने आप में ही एक लाजवाब औषधि है। लहसुन एंटिऑक्सीडेंट होने के साथ-साथ एक किस्म का ब्लड प्यूरीफायर है। जो हमारे खून को तो साफ रखता ही है साथ ही हाथ पैरों और जोड़ों के दर्द से भी निजात दिलाता है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि लहसुन के इस्तेमाल से कैंसर जैसी बीमारी को भी कंट्रोल किया जा सकता है। जैसा कि हमने आपको बताया कि ये पौधे हरियाली देने के साथ आपकी सेहत का भी ख्याल रखेंगे। तो बस इंतजार किस बात का, आप भी इन सेहतमंद पौधों को अपने घर पर उगाकर खूद को बनाइए सुपर हेल्दी।

करी पत्ता

करी पते का इस्तेमाल न सिर्फ खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है बल्कि इससे अनगिनत रोगों का इलाज भी किया जा सकता है। डायबिटीज के रोगी के लिए करी पत्ता रामबाण का काम करता है। डायबिटीज के रोगियों को 5-6 करी पत्ता रोजाना खाना चाहिए।

धनिया

भोजन में स्वाद व खूशबू बढ़ाने के साथ-साथ हरा धनिया थकान मिटाने में बेहद सहायक है। धनिया में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होने से मधुमेह का रोग खत्म हो जाता है। साथ ही इससे खून में इंसुलिन की मात्रा भी नियंत्रित रहती है। इसके साथ ही यह शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल की मात्रा घटाने और अच्छे कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ाने में भी मददगार साबित होता है।

रमन सिंह बोले...स्वामित्व कार्ड केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीणों के आत्मनिर्भरता की चाबी

विधानसभा अध्यक्ष ने 150 हितग्राहियों को वितरित किए प्रॉपर्टी कार्ड

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह स्पीकर निवास में आयोजित स्वामित्व योजना अंतर्गत स्वामित्व पट्टा वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम ईरा, मनकी, आरला, बांकल एवं कुसमी के 150 हितग्राहियों को स्वामित्व पट्टों का वितरण किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस एवं स्वच्छता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्वामित्व कार्ड केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीणों के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता की चाबी है। उनके कानूनी अधिकार का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वर्षों से ग्रामीण आबादी की भूमि का स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2020 को प्रारंभ की गई स्वामित्व योजना के माध्यम से अब प्रत्येक ग्रामीण परिवार को उसकी आवासीय भूमि का प्रमाणित अभिलेख उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक ड्रोन सर्वे एवं डिजिटल मैपिंग के माध्यम से गांवों की आबादी भूमि का सर्वेक्षण किया गया है। अब प्रत्येक मकान एवं भूमि का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का विधिवत स्वामित्व प्राप्त होगा। कलेक्टर ने बताया कि राजनांदगांव जिले के 654 ग्रामों में प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जाने हैं। इनमें से 186 ग्रामों का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है। पूर्व में 24 ग्रामों के 1 हजार 283 हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। आज 5 ग्रामों के 150 हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड प्रदान किए गए। कलेक्टर ने कहा कि स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति पर कानूनी अधिकार मिलेगा, बैंक से ऋण प्राप्त करने में सुविधा होगी, भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी।

सर्वे और अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी

उन्होंने बताया कि जिले के अनेक गांवों में सर्वे एवं अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा चरणबद्ध तरीके से सभी गांवों में शिविर लगाकर स्वामित्व कार्ड वितरित किए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि स्वामित्व कार्ड मिलने से ग्रामीण अपनी संपत्ति का विधिक प्रमाण प्राप्त करेंगे। इसके आधार पर बैंकों से ऋण प्राप्त करना भी आसान होगा, जिससे ग्रामीण आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना गांवों के विकास एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

सौर पैनल लगाने विस अध्यक्ष ने कही बात

उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में अपने घरों की छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सोलर संयंत्र स्थापना पर आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। इससे बिजली का बिल शून्य होने के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आय अर्जित करने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों को स्वामित्व कार्ड प्राप्त हुआ है, वे बैंक से ऋण लेकर भी सोलर संयंत्र स्थापित कर सकते हैं और योजना का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

गभरा का आंवला बगीचा बना मुरूम भंडारण केंद्र, कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी सरपंच के बातों का भी अवहेलना

पाटन। पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करगा-गभरा में स्थित शासकीय आंवला बगीचा इन दिनों कथित रूप से मुरूम भंडारण का केंद्र बन गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुरूम कारोबारी खुलेआम बगीचे में पेड़-पौधों के नीचे बड़ी मात्रा में मुरूम का भंडारण कर रहे हैं, जबकि इस पर रोक लगाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत के सरपंच कमलेश ठाकुर ने आंवला बगीचा में मुरूम भंडारण करने से मना किया था और भंडारित मुरूम हटाने की बात भी कही गई थी। इसके बावजूद आज तक मुरूम नहीं हटाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आंवला बगीचा बस्ती के समीप स्थित है, जहां तीज-त्योहार के अवसर पर महिलाएं और बच्चे घूमने आते हैं तथा बच्चे खेलकूद करते हैं। ऐसे सार्वजनिक स्थान पर बड़ी मात्रा में मुरूम का भंडारण होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, मुरूम कारोबारी द्वारा सैकड़ों हाइवा मुरूम का भंडारण किया गया है, जिसे मांग के अनुसार ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। बारिश के मौसम में मुरूम की मांग बढ़ने के कारण शासकीय भूमि पर अवैध भंडारण किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन गभरा में आंवला बगीचा तक को भंडारण स्थल बना दिए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे कार्रवाई को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में कुम्हारी व जंजगीरी के मेधावी विद्यार्थियों का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

पाटन। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जामगांव एम में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के दौरान नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र के पीएम स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कुम्हारी तथा सेजेस जंजगीरी के मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। कायक्रम में राष्ट्रीय साधन सह प्राविण्य छात्रवृत्ति (एनएमएमएस) परीक्षा वर्ष 2025-26 में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पायल रजनी (पीएमश्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय, कुम्हारी) को राज्य में प्रथम स्थान, नैतिक आमटे (पीएमश्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय, कुम्हारी) को राज्य में सातवां स्थान तथा श्रद्धा इंदौरिया (सेजेस, जंजगीरी) को राज्य में दसवां स्थान प्राप्त करने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपस्थित अतिथियों ने सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि ऐसे विद्यार्थी प्रदेश के अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा हैं। सम्मान समारोह के दौरान जनप्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने मेधावी छात्र-छात्राओं की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। मौके पर शिक्षक एम एल साहू, शीतल नायर, दीप्ति पिलई, सुजिता, खिलेश वर्मा, नरोत्तम साहू उपस्थित रहे।

शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ का आधार : मुख्यमंत्री

शिक्षा एवं खेल अधोसंरचना के लिए की चार महत्वपूर्ण घोषणाएं

दुर्ग। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय थे। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, साजा विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, दुर्ग संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, आयुक्त समग्र शिक्षा मती किरण कौशल तथा कलेक्टर अभिजीत सिंह भी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं अतिथियों ने विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के चयनित विद्यार्थियों को पुस्तकों एवं गणवेश का वितरण किया तथा कक्षा नवमी की पात्र छात्राओं को सायकल प्रदान की। कक्षा पहली के नवप्रवेशी विद्यार्थियों में भूपेन्द्र सिंह पहाड़ी, पार्थ यादव, वीर चंद्राकर, विवान ठाकुर, यश मारकंडे, डाली सिन्हा, दिव्यांशी, लावन्या साहू, लिशिका चंद्राकर एवं मानवी सेन शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से समाज और प्रदेश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूल मंत्र है और राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल सरकारी नौकरी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और जीवन में सफलता का सबसे सशक्त आधार है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्मार्ट क्लास, समय पर पुस्तक एवं गणवेश वितरण, अतिरिक्त पौष्टिक आहार, नियमित पालक-शिक्षक बैठक, न्योता भोज जैसी अनेक अभिनव पहले संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री से ने कहा कि राज्य में वर्तमान में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं तथा 24 नालंदा परिसर विकसित किए जा चुके हैं। दिल्ली में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 200 सीट क्षमता वाले छात्रावास की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है तथा बस्तर सहित दूरस्थ क्षेत्रों में भी शिक्षा के नए केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। जगरगुंडा में एजुकेशन हब विकसित किया जा रहा है, जिससे वहां के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने प्राचीन गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का महत्व सदैव सर्वोच्च रहा है और राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से पढ़ाई के साथ संस्कार, कौशल और रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पिछले ढाई वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार किए गए हैं और आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का होगा।

आने वाले समय में प्रदेश के 9 हजार स्कूलों में स्मार्ट क्लास प्रारंभ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। स्कूलों में मध्यान्ह भोजन तो दिया जाता ही है, न्यौता भोजन का भी आयोजन किया जाता है। न्योता भोजन जन्मदिन, सालगिरह एवं निर्वाण दिवस की स्मृति में बच्चों को पौष्टिक भोजन कराया जाता है।

पीएम आवास के हितग्राहियों को बेटी की शादी पर मिलेगा निःशुल्क गैस कनेक्शन, विधायक रिकेश सेन की एक और बड़ी घोषणा

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जनहित और सामाजिक कल्याण को केंद्र में रखकर लगातार नवाचारपूर्ण योजनाएं लागू कर रहे विधायक रिकेश सेन ने आज एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्राप्त करने वाले परिवारों में बेटियों का विवाह होने पर नवविवाहित दंपत्ति को निःशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत एक गैस सिलेंडर और एक गैस चूल्हा प्रदान किया जाएगा। इस नई पहल का शुभारंभ 10 अगस्त से किया जाएगा।

विधायक रिकेश सेन का कहना है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बेटी के विवाह के बाद नए गृहस्थ जीवन की शुरुआत सुविधाजनक और सम्मानजनक हो, यही इस योजना का उद्देश्य है। उनका मानना है कि स्वच्छ ईंधन का उपयोग केवल सुविधा ही नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर जीवन स्तर से भी जुड़ा हुआ है।

गौरतलब है कि वैशाली नगर विधानसभा में पिछले कुछ समय से विधायक रिकेश सेन लगातार ऐसी योजनाएं लागू कर रहे हैं, जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों तक पहुंच रहा है। मात्र एक रुपये में चश्मा उपलब्ध कराने की योजना के माध्यम से हजारों लोगों की आंखों की जांच कर उन्हें चश्मे उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं मां-शिशु सुरक्षा कवच योजना के तहत नवजात शिशुओं और माताओं को

आवश्यक सामग्री से युक्त सुरक्षा किट प्रदान की जा रही है, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूती मिल रही है।

इसके अलावा भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए भी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की गई है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और जरूरतमंद परिवारों की सहायता को लेकर विधानसभा क्षेत्र में लगातार नई पहलें की जा रही हैं, जिन्हें व्यापक जनसमर्थन भी मिल रहा है। आपको बता दें कि विधायक रिकेश सेन केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं तैयार कर रहे हैं। यही कारण है कि उनकी पहलें सीधे आम लोगों के जीवन से जुड़ती दिखाई देती हैं।

स्थानीय नागरिकों ने भी इस नई घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि बिटिया के विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर निःशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। इससे नए परिवारों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक रसोई की शुरुआत करने में मदद मिलेगी।

लगातार जनहित, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से वैशाली नगर विधानसभा में विकास की नई कार्यशैली देखने को मिल रही है। विधायक रिकेश सेन का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारकर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंचाना है। इसी सोच के साथ 10 अगस्त से शुरू होने वाली यह नई योजना भी वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के हजारों परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात साबित होने की उम्मीद है।

महापौर का निरीक्षण, निर्माण कार्य क्वालिटी के साथ और समय पर पूरा करने निर्देश

महापौर ने कंचन बाग में साफ सफाई एवं निर्माण कार्य का लिया जायजा

राजनांदगांव। कंचनबाग वार्ड नंबर 30 का जायजा लेने महापौर मधुसूदन यादव पहुंचे। यहां उन्होंने साफ सफाई एवं निर्माण कार्य की जानकारी ली और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उद्यान व सामुदायिक भवन मरम्मत करने स्टीमेंट तैयार करने तकनीकि अधिकारियों से कहा। वार्ड में साफ-सफाई का जायजा लेकर महापौर यादव ने स्वास्थ्य अमला से कहा कि बारिश में मौसमी बीमारी को देखते हुए साफ -सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। उन्होंने पानी भरान क्षेत्र के नालियों की समुचित सफाई हो, गड्ढें में भरे जल निकासी के लिए कच्ची नाली खोद निकासी कराए, समय समय पर दवाई का छिड़काव करें। उन्होंने कंचनबाग वासियों से रूबरू होकर कहा कि घर के आसपास साफ -सफाई रखे, घर में ही गिला सुखा कचरा अलग कर स्वच्छता दीदीयो को देवे, मौसमी बीमारी डेंगू, मलेरिया से बचने एहतियात बरते। निर्माण कार्य निरीक्षण की कडी में कंचनबाग में निर्माणाधीन अन्नपूर्णा सामुदायिक भवन का जायजा लेकर कार्य में गति लाकर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

काम में क्वालिटी का ध्यान रखना जरूरी

महापौर ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तकनीकी अधिकारियों से कहा। निर्माण कार्य की सतत मानिटरिंग करे, जिससे समय सीमा में भवन पूर्ण हो और उसका लाभ क्षेत्रवासियों को मिल सके। कंचनबाग की महिलाओं द्वारा सामुदायिक भवन एवं उद्यान मरम्मत की मांग पर महापौर यादव ने अधिकारियों से दोनों का मरम्मत कराने स्टीमेंट तैयार करने कहा। उन्होंने कहा की प्रक्रिया कर जल्द इसका मरम्मत कराया जाएगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक एवं सड़क बाधा पर 1100 रुपये का जुर्माना

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार जोन क्रमांक-01 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-07 राधिका नगर एवं वार्ड क्रमांक-08 कृष्णा नगर क्षेत्र में निगम की टीम द्वारा निरीक्षण एवं चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाए जाने, सड़क बाधा उत्पन्न करने तथा साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों एवं प्रतिष्ठान संचालकों के खिलाफ जुर्माना वसूला गया। निगम की टीम ने क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लेते हुए दुकानदारों को प्रतिष्ठानों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, सार्वजनिक स्थानों एवं सड़क पर किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान विनोद गुप्ता चाय सेंटर पर साफ-सफाई के लिए 100 रुपये, राम नारायण गंधर्व चाय सेंटर पर 50 रुपये, दीनू राम सेन सेलून दुकान पर 50 रुपये, जय जगन्नाथ डोसा सेंटर पर सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए 100 रुपये, शीर सागर डेली नीड्स पर 100 रुपये, हिना निर्मलकर सब्जी दुकान पर 100 रुपये तथा सुनीता किराना दुकान पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

कोहका स्थित 'वीरा जी के अंगना' में उमड़ा जनसैलाब, प्रदेशभर से पहुंचे शुभचिंतक

जनआशीर्वाद में बदला जन्मदिन समारोह : इंद्रजीत सिंह छोटू को हजारों प्रशंसकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर दी शुभकामनाएं

भिलाई। समाजसेवा, जनसहयोग और मानवीय मूल्यों के लिए अपनी अलग पहचान बना चुके युवा समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू का जन्मदिन इस वर्ष जनआशीर्वाद महोत्सव के रूप में मनाया गया। 20 जुलाई को कोहका स्थित 'वीरा जी के अँगना' में आयोजित भव्य जन्मदिन समारोह में हजारों की संख्या में पहुंचे प्रशंसकों, शुभचिंतकों एवं समर्थकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सुबह से लेकर देर शाम तक शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। भिलाई, दुर्ग, रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोग विशेष रूप से उन्हें बधाई देने पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर उमड़ी भारी भीड़ और जनसैलाब पूरे दिन चर्चा का विषय बना रहा। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, खेल प्रेमियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने समारोह को यादगार बना दिया।

हजारों लोगों की उपस्थिति बनी चर्चा का विषय–जन्मदिन समारोह में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम स्थल पर हजारों की तादाद में पहुंचे लोगों ने इंद्रजीत सिंह छोटू को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं और उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। कई सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संगठनों ने भी सम्मानपूर्वक उनका अभिनंदन किया। स्थानीय लोगों के अनुसार कोहका क्षेत्र में किसी समाजसेवी के जन्मदिन पर इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्रित होना अपने आप में एक ऐतिहासिक अवसर रहा। पूरे दिन कार्यक्रम स्थल पर लोगों की आवाजाही जारी रही और यह आयोजन नगर में चर्चा का केंद्र बना रहा।

सेवा और जनसंपर्क ने दिलाया जनविश्वास–इंद्रजीत सिंह छोटू ने बिना किसी राजनीतिक पद के समाज के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सामाजिक सहयोग और जरूरतमंद परिवारों की सहायता जैसे क्षेत्रों में उनकी सक्रियता ने उन्हें जन-जन का प्रिय बना दिया है। वर्षों से निरंतर जनसेवा के कारण लोगों का उनके प्रति विश्वास और स्नेह लगातार बढ़ता गया है। जन्मदिन समारोह में उमड़ी भीड़ इसी जनविश्वास और सामाजिक स्वीकार्यता का प्रमाण मानी जा रही है।

प्रदेशभर से पहुंचे जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक–समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, व्यापारिक संस्थाओं, खेल संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर इंद्रजीत सिंह छोटू को शुभकामनाएं दीं। कई अतिथियों ने उनके सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

स्वर्गीय बीरा सिंह के आदर्शों को आगे बढ़ा रहे इंद्रजीत सिंह–समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इंद्रजीत सिंह छोटू अपने पूज्य पिता स्वर्गीय बीरा सिंह के सेवा, सहयोग और मानवता के आदर्शों को आगे बढ़ा रहे हैं। स्व. बीरा सिंह द्वारा समाज में स्थापित सेवा और सहयोग की परंपरा को इंद्रजीत सिंह नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

जन्मदिन पर इंद्रजीत सिंह छोटू का आभार संदेश-जन्मदिन पर मिले अपार स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं से अभिभूत इंद्रजीत सिंह छोटू ने सभी शुभचिंतकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com